23rd Successfull Years...

समर्पण

(बाल विकास, मानिसक स्वास्थ्य, शोध एवं दिव्यांग पुनर्वास संस्थान)

20वां

वार्षिक प्रतिवेदन

1998-2019

समर्पण के बच्चों द्वारा बनाये गये वस्तुओं का दिपावली मेला में प्रदर्शनी व बिक्री, पटना के गांधी मैदान कारगिल चौक परँ

हस्ताक्षर अभियान में समर्पण स्पेशल स्कूल को सबसे ज्यादा हस्ताक्षर करवाने के लिए, अक्षय कुमार द्वारा पुरस्कृत।

वर्ल्ड ऑटिज्म डे पर जन जागरुकता मैराथन कार्यक्रम।

समर्पण के बच्चे, स्पेशल ओलंपिक्स नेशनल गेम्स बॉची के होस्ट सिटी कार्यक्रम में प्रतिभागिता करते हुए।

समर्पण के पूर्व चेयरमैन द्वारा दिव्यांगता विशेषज्ञ डा० बिनोद भांति का सम्मान।

पटना के अशोक राजपथ के पास हेलन केलर डे का आयोजन

समर्पण

(बाल विकास, मानिसक स्वास्थ्य, शोध एवं दिव्यांग पुनर्वास संस्थान)

वार्षिक प्रतिवेदन

डॉ० शिवाजी कुमार
राज्य आयुक्त नि:शक्तता, बिहार, पटना

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण विशेषकर ऑटिज्म, सेरेब्रल पॉल्सी और मानसिक दिव्यांगता के क्षेत्रों में पिछले दो दशक से कार्यरत संस्था समर्पण अपना वार्षिक प्रतिवेदन 2018–19 सह विशेषांक प्रकाशित कर रही है।

संस्था दिव्यांगों को जागरूक कर उनमें आत्मविश्वास पैदा करती रही है कि वो भी समाज में अपनी भागीदारी सुनिशिचत कर सम्मानजनक जीने का अधिकार रखते हैं ।

मुझे आशा एवं विश्वास है कि यह वार्षिक प्रतिवेदन संस्था से जुड़े अन्य कमिर्यों, दिव्यांगजनों सहित समाज के तमाम वर्ग के लोगों के लिए उपयोगी साबित होगा।

मै इस वार्षिक प्रतिवेदन के प्रकाशन के अवसर पर सुलेखा कुमारी, सचिव, समर्पण को हार्दिक शुभकानाएं देता हूँ ।

डॉ० शिवाजी कुमार

सुलेखा कुमारी
सचिव, समर्पण

शुभकामना संदेश

वार्षिक प्रतिवेदन के संस्करण 2018-19 को विशेष अंक के रूप में प्रकाशित करने में संस्था समर्पण प्रसन्नता का अनुभव कर रही है। पिछले वर्ष संस्था ने सफलतापूर्वक कई उपलब्धियां हासिल की थी और लगातार इस दिशा में अग्रसर है ।

संस्था समर्पण दिव्यांगजनों को समाज में भागीदारी सुनिश्चित करने और उन्हें सम्मानजनक जीवन जीने के लिए लगातार प्रयास करती रही है । साथ ही यह भी कोशिश करती है कि सरकारी योजनाओं और प्रावधनों का पर्याप्त लाभ अधिक से अधिक दिव्यांगजनों को मिल सके । इसके लिए संस्था राज्य भर के अलग-अलग जिलों में अपनी जिला इकाई के माध्यम से शिक्षण-प्रशिक्षण, कौशल विकास सहित लगातार जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन करती है ।

राज्य के बाहर भी राष्ट्रीय स्तर पर मसलन झारखंड, उत्तर-प्रदेश, छत्तीसगढ़, मध्य-प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली जैसे राज्यों में भी समर्पण लगातार सक्रिय रही है और दिव्यांगजनों के हित में शिक्षण-प्रशिक्षण, थैरेपी, कैंप, प्रोजेक्ट, रिसर्च एवं पुनर्वास से जुड़े कार्यक्रम करती रही है।

दिव्यांगजनों में आत्मविश्वास पैदा करना, उन्हें उचित अवसर उपलब्ध कराने में मदद करना, उन्हें खेल में प्रोत्साहित करना, उनके लिए शिक्षण-प्रशिक्षण की व्यवस्था करना उनके कौशल विकास में मदद करना, उन्हें सरकारी प्रावधानों और योजनाओं से अवगत कराना और समाज में उनके प्रति जाकरूकता फैलाना संस्था का खास मकसद है। इस मकसद को लेकर संस्था लगातार सक्रिय है ।

संस्था अपना एक स्पेशल स्कूल समर्पण विशेष विद्यालय चलाती है। दिव्यांगजनों द्वारा निर्मित वस्तुओं का बाजार उपलब्ध कराने के साथ-साथ दिव्यांगजनों के उपचार के लिए स्वास्थ्य जाँच केन्द्र का भी संचालन करती है ।

पिछले दो दशकों से अधिक समय से कार्यरत यह संस्था खट्टे-मिठे अनुभवों से लबालब है। लेकिन अच्छी बात यह है कि इस यात्रा में सरकारी अधिकारियों/पदाधिकारियों समाज के विभिन्न वर्गो के लोगों की मदद लगातार मिलती रही है । उनकी मदद हमारा संबल बनकर हमें प्रोत्साहित करती रही है। इसी भरोसे हम अपनी जिम्मेदारी का निवर्हन पूरी निष्ठा के साथ करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसमें हम आप सभी से सहयोग की अपेक्षा रखते हैं ।

आशा है कि वार्षिक प्रतिवेदन सह विशेषांक का यह संस्करण पूर्व की तरह उपयोगी रहेगा।

Sulekha

सुलेखा कुमारी

समर्पण–एक परिचय

समर्पण (बाल विकास, मानसिक स्वास्थ्य, शोध एवं विकलांग पुनर्वास संस्थान, मंदबुद्धि, ऑटिज्म, सेरेब्रल पॉल्सी एवं बहुविकलांगों के शिक्षण-प्रशिक्षण एवं पुनर्वास के लिए प्रयासरत कदम)

"समर्पण", 1 अगस्त, 1996 से मंद-बुद्धि, ऑटिज्म, सेरेब्रल पॉल्सी एवं बहुविकलांगों श्रवण एवं अन्य विकलांगों के शिक्षण-प्रशिक्षण, व्यावसायिक प्रशिक्षण एवं पुनर्वास के कार्यो को करती आ रही है ।

आज समर्पण एवं इनकी 37 इकाइयां विकलांगता के क्षेत्र में अपनी अलग-अलग पहचान बनाती जा रही है । वर्तमान में संस्थान द्वारा आधुनिक उपकरन एवं नवनीत तकनीकों एवं विशेषज्ञों से युक्त विकलांगों को सभी प्रकार की सेवाओं मुहैया कराती आ रही है ।

समर्पण की पटना में मुख्यतः आठ विभाग है जिसमें 1. विशेष शिक्षा, 2. वाक् एवं वाणिज्य चिकित्सा, 3. मनोचिकित्सक विभाग, 4. भौतिक एवं व्यावासायिक चिकित्सा 5. मेडिकल सायंस विभाग, 6. व्यावासायिक प्रशिक्षण विभाग, 7. सूचना एवं प्रलेखन विभाग 8. मानव संसाधन विभाग के अतिरिक्त विशेष स्कूल एवं छात्रावास, खेल एवं मनोरंजन विभाग है ।

हमारे यहाँ उपलब्ध सुविधाएं :-

विशेष छात्रावास, मनोवैज्ञानिक सलाहकार, व्यावसायिक चिकित्सा, खेल प्रशिक्षण (स्पेशल ओलंपिक एवं पैरालिम्पक) कम्पयूटर एवं व्यावासायिक प्रशिक्षण, बुद्धि एवं व्यक्तित्व की जाँच, फिजीयोथेरैपी

एवं स्पीच थेरैपी, अभिभावक प्रशिक्षण, खेल-खेल में बच्चों को शिक्षा, अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी।

सामान्य सेवाएं :-

संस्थान बड़े पैमाने पर मंदबुद्धि, ऑटिज्म, सेरेब्रल पॉल्सी एवं बहुविकलांगों की सेवाओं का प्रबंध समर्पण एवं 38 जिलों में स्थित इकाइयां करती हैं जिसमें सभी आय वाले तीव्र व्याधिग्रस्त मानसिक रूप से मंद व्यक्ति सम्मिलित हैं । मुख्यालय के बाहर अर्थात नगर से दूर रहने वालों के लिए उनकी आवश्यकतानुसार सेवाएं प्रदान की जाती है। मानसिक व्यक्तियों के अतिरिक्त विभिन्न समस्याओं वाले जैसे अपस्मार, स्वैरचिंतन (स्वलीनता), प्रमस्तिष्क अपघात अथवा बहुविकलांगों के लिए भी सेवाओं का प्रबंध किया जाता है ।

विशेष सेवाएं :-

विशेष सेवाओं का मुख्य लक्ष्य घरेलु प्रशिक्षण तथा व्यवस्थात्मक योजना का कार्यान्वयन है । मानसिक मंद बच्चों के घरेलु प्रशिक्षण में अभिभावकों को प्रतिपादन एवं प्रस्तुतीकरण प्रबंध योजना से सम्मिलित है ।

चिकित्सा सेवाएं :-

मानसिक मंद व्यक्तियों में जिनका संबंध चिकित्सा से है जैसे अपस्मार (मिर्गी) अतिगति संवेदित टाइपर काइनाटिक व्यवहार, अपर रेस्परेटरी ट्रेकइन्फेवश कक्ष उपरी श्वास प्रदेश के संक्रमणों, पोषण आहार समस्यातक आदि की दवाइयों की व्यवस्था है तत्संबधित चिकित्सात्मक सलाह परामर्श दी जाएगी। संस्थान के भीतर बालचिकित्सा विद्यमान है, आवश्यकता होने पर सेवार्थियों के लिए बाहरी विशेषज्ञों को रेफर किया जाता है ।

समर्पण की जिला ईकाई

(बाल विकास, मानिसक स्वास्थ्य, शोध एवं दिव्यांग पुनर्वास संस्थान)

SL. NO.	DISTRICT	ORGANISATION
1	PATNA	SAMARPAN
2	DARBHANGA	SEWA ASHRAM
3	NAWADA	SAMMAN SANSTHAN
4	GAYA	SHARNAM
5	MUNGER	SANKALP SADHANA
6	MADHUBANI	SAMBHAV
7	SAHARSA	SAMBHAVNA
8	ARA	SATHI
9	SITAMARHI	SALAH
10	BUXAR	SAMARTHAN
11	EAST CHAMPARAN	MOTIHARI
12	BHAGALPUR	SPARSH
13	SASARAM	SAMARTH
14	SUPAUL	SEVAK
15	BHABHUA	SEVA
16	WEST CHAMPARAN	SANJIVANI
17	AURANGABAD	SAHAS
18	KISHANGANJ	SACRIFICE
19	SAMASTIPUR	SANGHARSHRAT
20	BANKA	SAROVAR
21	KATIHAR	SAHAYATA
22	CHHAPRA	SAMARPAN SEVA
23	VAISHALI	SAHYOG
24	NALANDA	SAMADHAN
25	KHAGARIYA	SARTHI
26	ARARIYA	SAMVEDNA
27	JEHANABAD	SAMAJ SEVA
28	SIWAN	SAMARPIT
29	JAMUI	SADBHAWANA
30	LAKHISARAI	SPASTIC SOCIETY
31	GOPALGANJ	SNEH
32	SHEKHAPURA	DISABLED HELP LINE
33	MADHEPURA	SANGRAM
34	PURNIA	SAKHA
35	SHEOHAR	SAVERA
36	ARWAL	SATKAR
37	MUZAFFARPUR	SAPHAL
38	BEGUSARAI	SAROKAR

वार्षिक प्रतिवेदन 2018–2019

विश्व आटिज्म जनजागरुकता दिवस पर वाक् फॉर आटिज्म और कार्यशाला का आयोजन

समर्पण, चाईल्ड कन्सर्न एवं इंडियन स्पोर्ट्स फेडरेशन ऑफ ऑटिज्म के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 2 अप्रैल 2018 को विश्व ऑटिज्म जन-जागरूकता दिवस के अवसर पर समर्पण-सेमिनार हॉल, जी. -31, पीपुल्स कॉपरेटिव कॉलोनी, कंकड़बाग, पटना में सुबह 11:00 बजे दिन से "वाक् फॉर ऑटिज्म" एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ऑटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी, मानसिक दिव्यांग, मूक-बधिर, नेत्रहीन, शारीरिक दिव्यांग, बहु दिव्यांगजन, निःशक्त खिलाड़ी एवं अनेक अभिभावकगण भाग लिए।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि डा0 शिवाजी कुमार, (मंदबुद्धि विशेषज्ञ सह निदेशक समर्पण) श्री धनवन्त सिंह राठौर एवं डा0 विश्वेन्द्र कुमार सिन्हा ने संयुक्त रूप से दीप जला कर ऑटिज्म जन जागरूकता मार्च का रवाना किया।

6 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर, 15 अप्रैल 2018

सेमिनार में दिव्यागों को टिप्स देते प्रशिक्षक • जागरण

अवसाद से बचने में कारगर बिहैवियर थेरेपी

जासं, मुजफ्फरपुर : मधुबनी विधायक समीर महासेठ ने कहा कि वर्तमान समय में लोग कुंठित हो मनोरोग से ग्रसित हो रहे हैं। युवा पीढ़ी भी मनोवैज्ञानिक दबाव में आकर आत्महत्या जैसे कदम उठा रहे हैं। ऐसे में मानसिक अवसाद से बचने के लिए बिहैवियर थैरेपी व बिहैवियर मोडिफिकेशन बेहद कारगर उपाय है। वे शनिवार को रानी लक्ष्मीबाई महिला विकास समिति व सफल की ओर से अंतरराष्ट्रीय मनोविज्ञान दिवस पर रामदयालु नगर, सुस्ता स्थित सफल सेमिनार हॉल में आयोजित कार्यशाला में बोल रहे थे। कार्यशाला का उद्घाटन मधुबनी विधायक सहित मनोविज्ञान विशेषज्ञ डॉ.रितु रंजन व क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ.शिवाजी कुमार ने संयुक्त रूप से किया। संचालन लालू तुरहा व धन्यवाद ज्ञापन विकास समिति सचिव सुनीता गुप्ता ने किया।

Education & Welfare Activities for destitute n slum girls child at Samarpan Child Concern, Patna.on April 16th 2018

समर्पण ने अपना 24वां एवं बिहार डिसेबल्ड स्पोर्ट्स अकादमी अपना 18वां आम सभा की बैठक दिनांक 24 अप्रैल को स्काडा विजनेस सेन्टर, सोन भवन में आयोजित किया।

दिव्यांगों की समस्याओं के निपटारे के लिए जल्द चलंत अदालतें : डॉ. शिवाजी कुमार

पटना| राज्य आयुक्त निःशक्तता डॉ. शिवाजी कु
कहा कि दिव्यांगों की समस्याओं के त्वरित नि
लिए जल्द सभी जिलों में चलंत अदालतों की
की जाएगी। हेल्पलाइन नंबर भी जारी होगा।
शिकायतें भी दर्ज होंगी। उन्होंने बुधवार को
किया। कहा- मेरी प्राथमिकता दिव्यांगों के हि
संचालित योजनाओं का मुनासिब तरीके
कराना होगा। दिव्यांगजन अधिकार अधि
बिहार दिव्यांगजन नियमावली 2017 क
सुनिश्चित किया जाएगा। अपर आयु
शंभु कुमार रजक ने उनका स्वागत कि

डॉ.शिवाजी कुमार बने राज्य आयुक्त (दिव्यांगता)

पटना : डॉ.शिवाजी कुमार ने बुधवार को राज्य आयुक्त (दिव्यांगता) का पदभार ग्रहण किया। इस मौके पर उन्होंने बताया कि उनकी प्राथमिकता दिव्यांगजनों के हितार्थ राज्य में संचालित योजनाओं का कुशल कार्यान्वयन तथा दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 एवं बिहार दिव्यांगजन नियमावली, 2017 का पूरे राज्य में अनुपालन सुनिश्चित कराना होगा। उन्होंने बताया कि दिव्यांगजनों के परिवादों को सुनने एवं उनके त्वरित निष्पादन के लिए शीघ्र ही हेल्पलाइन नम्बर उपलब्ध कराया जाएगा। राज्य

"समर्पण" एवं चाईल्ड कन्सर्न के संयुक्त तत्वावधान में "फन-डे" एवं जनजागरूकता कार्यशाला का आयोजन दिनांक 12 मई 2018 को समर्पण-सेमिनार हॉल, जी-31, कंकड़बाग, पटना-800020 में किया गया। "फन-डे" आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजनों खासकर मानसिक दिव्यांग ; मंदबुद्धि, ऑटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी, मुक बधिर, नेत्रहीन एवं बहु दिव्यांग की क्षमता को समाज के बीच लाकर जन-जागरूकता फैलाना एवं मानसिक दिव्यांगों को समाज में उचित सम्मान व स्थान दिलाना है। विशेष बच्चों के द्वारा ;मंदबुद्धि, ऑटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी, मुक बधिर, नेत्रहीन एवं बहु दिव्यांग के द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम के अलावा फैन्सी ड्रेस, गीत-संगीत, लघु नाटक, फन गेम, नृत्य-संगीत एवं खान-पान के साथ फन डे मनाये गये।

समर्पण के बच्चों के द्वारा व्यावसायिक प्रशिक्षण द्वारा बनाए गए सामानों का बिक्री।

पर्यावरण बचाने के लिए दौड़ा पटना

पटना (आससे)। पर्यावरण के प्रति जागरूकता के लिए 'पर्यावरण बचाओ जन जागरूकता दौड़' का ओयाजन सोमवार को किया गया। जागरूकता दौड़ में २००से अधिक दिव्यांग, खिलाड़ी, आमनागरिक, समाजसेवी, पर्यावरणविदों ने भाग लिया।

अपने शहर को स्वच्छ निर्मल हरा-भरा बनीन एवं पर्यावरण बचाने के लिए आम लोगों को जागरूक करने का प्रण लिया। दौड़ प्रेमचंद रंगशाला से शुरू होकर डाकबंगला, बेली रोड होती हुई इको पार्क गेट-१ पर समाप्त हुई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा. शिवाजी कुमार ने पर्यावरण के असंतुलन से हमारे जीवन को प्रभावित करने वाले कारणों की चर्चा की और उसके बचाव के उपाय बताये। यह कार्यक्रम समर्पण, चाइल्ड कन्सर्न स्पेशल ओलंपिक्स, डिसेबल्ड स्पोर्ट्स अकादमी के संयुक्त प्रयास से आयोजित किया गया। इस अवसर पर अपराध विरोधी मोर्चा के हानवन्त सिंह राठौर, सिविल सोसाइटी की मधु श्रीवास्तव, रीता चकोर, विश्वनाथ वर्मा, डा. विनय कारक, डा. राजीव गंगौल, संदीप कुमार सहित अन्य लोग भी उपस्थित थे।

समर्पण, चाइल्ड कन्सर्न, स्पेशल ओलंपिक्स बिहार, बिहार पैरालम्पिक कमिटी, बिहार डेफ स्पोट्स एसोसिएशन, बिहार डिसेबल्ड स्पोर्ट्स अकादमी, आकादमी ऑफ जिमनास्टिक्स, बिहार सिविल सोसाइटी फोरम के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 04 जुन 2018 को पर्यावरण के प्रति जन जागरूकता के लिए "पर्यावरण बचाओ जन-जागरूकता दौड़" का आयोजन ;विश्व पर्यावरण दिवस के पूर्व दिवस पर प्रातः 06:30 बजे प्रेमचन्द रंगशाला, राजेन्द्रनगर, पटना से शुरू किया गया। इस पर्यावरण बचाओ जन-जागरूकता दौड़ में 200 से अधिक दिव्यांग, सामान्य एवं दिव्यांग खिलाड़ी, जिमनास्ट, रॉलर स्केटियर, आम नागरिक, अभिभावक गण, समाजसेवी, पर्यावरणविद् एवं प्रशिक्षकगण भाग लिये और सभी ने एक मत से प्रण किया कि अपना शहर स्वच्छ और निर्मल और हरा-भरा बनाएँगे एवं पर्यावरण बचाने के लिए आम लोगों का जागरूक करेंगे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ0 शिवाजी कुमार राज्य आयुक्त निःशक्तता दिव्यांगजन, बिहार सरकार, पटना, श्री धनवन्त सिंह राठौर अध्यक्ष, अखिल भारतीय अपराध विरोधी मोर्चा, श्रीमति मधू श्रीवास्तव सचिव, बिहार सिविल सोसाईटी फॉरम एवं श्रीमति रीता चकोर समाजसेवी ने सयुक्त रूप से झण्डा दिखाकर पर्यावरण जन-जागरूकता दौड़ को रवाना किया। मौके पर श्री विश्वनाथ वर्मा हास्य कवि एवं समाजसेवी, डा0 विनोद भांति समाजसेवी, डॉ सुभाष चन्द्रा हड्डी रोग विशेषज्ञ, डॉ विश्वेन्द्र कुमार सिन्हा; अध्यक्ष, पैरालिंपिक कमिटि ऑफ बिहार, श्रीमति सुलेखा कुमारी सचिव, चाईल्ड कन्सर्न, डॉ विमल कारक अध्यक्ष, समर्पण, संदीप कुमार खेल निदेशक, बिहार डा0 राजीव गंगौल अध्यक्ष, पाटलीपुत्रा पैरेन्टस एसोसिएशन, श्री वेद प्रकाश, श्री सतीष कुमार अभिभावक एवं कई अभिभावकगण, समाजसेवी, पर्यावरणविद्, गणमान्य लोग उपस्थित थे।

विश्व योगा दिवस पर 21 जून को समर्पण द्वारा योगा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में दिव्यांगजन सहित आम लोगों ने भी योगाभ्यास किया।

समर्पण स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन।

राज्य पैरा फुटबॉल | मुंगेर और शेखपुरा ने मेजबान टीम को हराया, जहानाबाद ने भी दर्ज की जीत

पटना को पहले दौर में मिली हार

बिहार व नेपाल के बीच कबड्डी मैच आज

राष्ट्रीय सीनियर पिकलबॉल के लिए बिहार टीम घोषित

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य एवं कान चेकअप कैंप का आयोजन

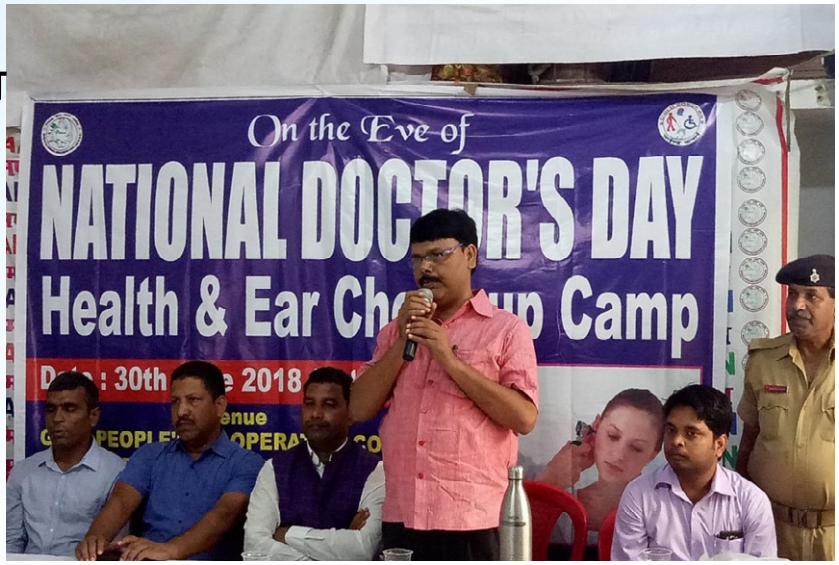

समर्पण, चाईल्ड कन्सर्न एवं बिहार दिव्यांग खेल अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में आज दिनांक 30 जून, 2018 (शनिवार) को सुबह 10:00 बजे से "राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस" के पूर्व दिवस पर स्वास्थ्य एवं कान चेक अप कैम्प का आयोजन समर्पण सेमिनार हॉल, जी-31, पीपुल्स कॉपरेटिव कॉलोनी, कंकड़बाग, पटना-800020 में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि डा शिवाजी कुमार राज्य आयुक्त निःशक्तता, बिहार सरकार, पटना, ईदृ अजय कुमार यादव संरक्षक, समर्पण एवं श्री ध्नवन्त सिंह राठौर अध्यक्ष, अखिल भारतीय अपराध विरोधी मोर्चा ने सयुक्त रूप से द्वीप प्रज्वल्लित कर जाँच शिविर का शुरूआत किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ विनोद भांति समाजसेवी एवं दिव्यांगता विशेषज्ञ, डॉ सुशील कुमार जेनेरल फिजिशियन, डॉ विवेक सक्सेना; स्पीच एवं हियरिंग विशेषज्ञ, डॉ सिमा कुमारी फिजियोथैरैपिस्ट, श्री राजकुमार गुप्ता वार्ड कॉन्सलर, वार्ड न0-35, डॉ ए.के. अग्रवाल समाजसेवी, डॉदृ सुभाष चन्द्रा हड्डी रोग विशेषज्ञ, डा रितु रंजन दिव्यांगता विशेषज्ञ सह समाजसेवी, लक्ष्मीकान्त कुमार समर्पण, संतोष कुमार सिन्हा चाईल्ड कन्सर्न, संदीप कुमार नेशनल ट्रेनर, सुनिता गुप्ता एवं कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सम्मान • दिव्यांगों की उन्नति के लिए काम कर रहे 91 को दिया गया बिहार सम्मान

शम्स आलम शेख को बिहार खेल रत्न

सिटी रिपोर्टर | पटना

दिव्यांगों की उन्नति के लिए कार्य करने वाले दिव्यांग प्लेयर्स, ट्रेनर्स, प्रोफेशनल्स, सोशल एक्टिविस्ट्स, डॉक्टर्स, मीडिया पर्सन्स, राइटर्स, एक्टर्स, पॉलिटिशियंस आदि को स्टेट और नेशनल लेवल पर विशिष्ट उपलब्धि के लिए 17 साल से दिए जा रहे 'बिहार सम्मान समारोह' में इस बार 25 वर्गों से 91 को सम्मानित किया गया। ओवर ऑल अंतरराष्ट्रीय वर्ग में बिहार खेल रत्न सम्मान इस बार मो. शम्स आलम शेख (बिहार) और अबु हुवैदा (यूपी) को दिया गया।

मंगलवार को सोन भवन स्थित स्काडा बिजनेस सेंटर में मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी एवं राज्य आयुक्त निःशक्तता (दिव्यांग) डॉ. शिवाजी कुमार ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके बाद एक-एक कर सभी 91 को सम्मान दिया गया। राज्य स्तरीय खेल वर्ग में भीम सम्मान से पटना के आनंद व राज किशोर राजा, मुजफ्फरपुर की रंजना कुमारी, पूर्वी चंपारण के सौरभ राज, नालंदा के अविनाश कुमार, दानापुर के राजू कुमार के अलावा यूपी के सुमन रावत व नागेंद्र कुमार को दिया गया। बिहार सिविल सोसायटीज-समर्पण, चाइल्ड कन्सर्न, (बाल विकास, मानसिक स्वास्थ्य, शोध एवं दिव्यांग पुनर्वास संस्थान), बिहार विकलांग खेल अकादमी, पैरालिंपिक कमेटी ऑफ बिहार, बिहार स्पेशल ओलंपिक, बिहार नेत्रहीन खेल संघ, बिहार डेफ स्पोर्टस एसोसिएशन, पाटलिपुत्र पैरेंट्स एसोसिएशन, बिहार विकलांग छात्रा संगठन, इंडियन स्पोर्टस फेडरेशन ऑफ ऑटिज्म, एक्शन फॉर ऑल तलाश एवं इंडियन स्पोर्टस फेडरेशन फॉर सेरेब्रल पाल्सी के संयुक्त तत्वावधान में इस यह सम्मान समारोह किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता स्पेशल ओलंपिक के अध्यक्ष समीर कुमार महासेठ ने किया। स्वागत संदीप कुमार किया गया। भारत सरकार के मुख्य उपायुक्त (दिव्यांग जन) डॉ. संजय कांत प्रसाद के अलावा इस मौके पर इंजीनियर अजय यादव, पिंकी कुमारी, डॉ. राजीव गंगोल, नीलम सिंह, लक्ष्मीकान्त, संतोष कुमार सिन्हा, नवीन कुमार, सुनीता गुप्ता, फरजाना आदि भी मौजूद रहे।

सूची जारी, खेल सम्मान आज

कला-संस्कृति एवं युवा (खेल) विभाग ने खेल दिवस पर सम्मानित होने वाले खिलाड़ियों की सूची मंगलवार को जारी कर दी। बुधवार को पाटलिपुत्र खेल परिसर के इंडोर हॉल में खेल सम्मान समारोह की अंतरराष्ट्रीय श्रेणी में शूटिंग के लिए श्रेयसी सिंह, कबड्डी के लिए शमा परवीन, कराटे के लिए रोहन राज और रग्बी के लिए स्वीटी कुमारी को राज्य श्रेष्ठ खेल सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। सामान्य कोटि में 275 और दिव्यांग कोटि के मूक बधिर वर्ग में 58 खिलाड़ियों के साथ पैरालंपिक वर्ग में 68 खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा।

शिक्षक दिवस के अवसर पर "समर्पण" के स्पेशल बच्चों द्वारा शिक्षक सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया

05 सितम्बर 2019 'समर्पण' स्पेशल स्कूल के तत्वावधान में दिनांक 5 सितम्बर 2019 को शिक्षक दिवस के अवसर पर बौद्धिक अक्षमता बाले बच्चों के द्वारा शिक्षक सम्मान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम" का आयोजन समर्पण सेमिनार हॉल, जी-31, पीसी कॉलोनी, कंकड़बाग, पटना में सुबह 11:30 बजे दिन से किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ डॉ अविनाश कुमार समाजसेवी एवं संतोष कुमार सिन्हा सीईओ, समर्पण के द्वारा दीप प्रज्वल्लित कर किया गया। मौके पर लक्ष्मीकान्त कुमार विशेष शिक्षक, सुगन्ध नारायण प्रसाद विशेष शिक्षक, आशा कुमारी विशेष शिक्षक, सुनिता गुप्ता विशेष शिक्षक, रीना कुमारी, माला कुमारी, शिक्षक गण एवं समाजसेवी उपस्थित थे।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 10 अक्टूबर के अवसर पर एक दिवसीय मानसिक स्वास्थ्य जन-जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

समर्पण, चाईल्ड कन्सर्न एवं स्पेशल ओलम्पिक्स बिहार के संयुक्त तत्वावधन में कल दिनांक 10 अक्टूबर 2019 गुरूवार को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर समर्पण-सेमिनार हॉल, जी. -31, पीपुल्स कॉपरेटिव कॉलोनी, कंकड़बाग, पटना में सुबह 11:30 बजे दिन से एक दिवसीय मानसिक स्वास्थ्य जन-जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मानसिक दिव्यांग, ऑटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी, बहु दिव्यांगजन, बौद्धिक अक्षमता खिलाड़ी एवं अभिभावकगण ने भाग लिया। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर बिहार के विभिन्न जिलों में जन-जागरूकता कार्यशाला का आयोजन कर मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया।

प्रदर्शनी सह बिक्री "दीपावाली मेला" का आयोजन

समर्पण स्पेशल स्कूल एवं चाईल्ड कन्सर्न (बाल विकास, मानसिक स्वास्थ्य, विकलांग पुनर्वास एवं शोध संस्थान), पटना के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 26 अक्टूबर 2019 (शनिवार) को स्पेशल बच्चों द्वारा बनाये गये सजावटी दिये एवं समानों की प्रदर्शनी सह बिक्री "दीपावली मेला" का आयोजन समर्पण स्पेशल स्कूल बाहरी परिसर, जी-31, पीसी कॉलोनी कंकड़बाग, पटना-20 में सुबह 10:30 से अपराहण 1:30 बजे तक आयोजित की गई। इस प्रदर्शनी सह बिक्री मेला में दिव्यांग बच्चों (ऑटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी, बौद्धिक दिव्यांग, मुक-बधिर, नेत्रहीन एवं बहु बहुदिव्यांग) द्वारा बनाये गये सजावटी समाग्रियों जैसे मोमबत्ती, अगरबत्ती, रूई, रंगीन दीया, कलश, ग्रीटिंग्स कार्ड, सजावट के सामान, खिलौना, झुमर, झालर एवं घरौंदा आदि के प्रदर्शनी लगाकर बेचा गया । इसमें 120 से अधिक लोगों ने जमकर खरीदारी की एवं दिव्यांग बच्चों द्वारा बनाई गई सजवाटी सामानों का काफी सराहना एवं तारीफ की।

बाल दिवस के अवसर पर विशेष बच्चों के लिए फन गेम्स का रंगारंग आयोजन किया गया

14 नवम्बर 2019। समर्पण-स्पेशल स्कूल एवं चाईल्ड कन्सर्न के संयुक्त तत्वावधन में आज दिनांक 14 नवम्बर, 2019 गुरूवार को बाल दिवस के अवसर पर विशेष बच्चों ऑटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी, मंदबुद्धि, मुक वधिर, दृष्टि बाधित, शारीरिक दिव्यांग एवं बहु दिव्यांग के लिए फन गेम्स/फन डे का आयोजन सुवह 11:00 बजे दिन से समर्पण सेमिनार हॉल, जी-31 पीपुल्स कॉपरेटिव कॉलोनी, कंकड़बाग, पटना में किया गया।

विश्व दिव्यांग दिवस (जागरूकता सप्ताह 1-8 दिसम्बर) के अवसर पर सम्मान समारोह

01 दिसम्बर, 2019 । समर्पण, चाईल्ड कन्सर्न, बिहार दिव्यांग खेल अकादमी, पैरालिम्पिक कमिटी ऑफ बिहार एवं बिहार स्पेशल ओलम्पिक्स के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 02 दिसम्बर, 2019 (सोमवार) को अपराहण 01:00 बजे दिन से विश्व दिव्यांग जागरूकता सप्ताह के अवसर पर दिव्यांगता के क्षेत्र उत्कृष्ट कार्य करने वाले, राष्ट्रीय/अन्तराष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ी, साहित्य, कला, चिकित्सा आदि क्षेत्रों में विशेष कार्य करने वालों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन समर्पण सेमिनार हॉल, जी-31, पीपुल्स कॉपरेटिव कॉलोनी, कंकड़बाग, पटना में किया गया। इस कार्यक्रम में बिहार के अलग-अलग क्षेत्रों में विशेष कार्य करने हेतु सम्मानित किये जायेंगे।

अन्तर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर विशेष बच्चों द्वारा सांकृतिक कार्यक्रम का आयोजन

03 दिसम्बर, 2019 । समर्पण, चाईल्ड कन्सर्न, बिहार दिव्यांग खेल अकादमी, पैरालिम्पिक कमिटी ऑफ बिहार एवं बिहार स्पेशल ओलम्पिक्स के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 03 दिसम्बर, 2019 (मंगलवार) को दोपहर 12:00 बजे दिन से अन्तर्राष्ट्रीय दिव्यांग के अवसर पर समर्पण के दिव्यांग (ऑटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी, बौद्धिक अक्षम, मूक-बधिर, नेत्रहीन एवं बहु दिव्यांग) बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन समर्पण सेमिनार हॉल, जी-31, पीपुल्स कॉपरेटिव कॉलोनी, कंकड़बाग, पटना-800020 किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि श्रीमती मधु श्रीवास्तव (अधिवक्ता, हाईकोर्ट), डॉ राजीव गंगौल एवं श्री लक्ष्मीकान्त कुमार (प्राचार्य, समर्पण स्पेशल स्कूल) के द्वारा द्वीप प्रज्वल्लित कर किया । मौके पर संतोष कुमार सिन्हा (सी.ई.ओ., समर्पण), श्रीमती सुनिता गुप्ता (एकेडमिक प्रभारी, समर्पण), संदीप कुमार (खेल निदेशक), श्री सुगन्ध नारायण प्रसाद, विवेक विक्रम (फिजियोथेरैपिस्ट), शैलेश कुमार (स्पीच थेरैपिस्ट), पिंकी कुमारी (विशेष शिक्षक), आशा कुमारी (विशेष शिक्षक), रीना कुमारी (विशेष शिक्षक) आदि उपस्थित थे।

पैरा एशियन गेम्स कल से

पदक के लिए उतरेंगे बिहार के तीन खिलाड़ी

➲ शरद कुमार और शम्स आलम से हैं उम्मीदें

खेल संवाददाता ▷ पटना

इंडोनेशिया के जकार्ता में छह से शुरू होनेवाली तृतीय पैरा एशियन गेम्स में बिहार के भी तीन खिलाड़ी भाग ले रहे है. जिनसे राज्य के खेल प्रेमियों को गोल्ड मेडल की उम्मीद है. इनमें से एथलीट शरद कुमार और पैरा तैराक मोहम्मद शम्स आलम शेख को पदक जीतने का प्रबल दावेदार माना जा रहा है. भारतीय टीम के डिप्टी चीफ डी मिशन सह राज्य नि:शक्तता आयुक्त डॉ शिवाजी कुमार ने बताया कि सभी खिलाड़ी पिछले कई सालों से इस प्रतियोगिता के लिए जी-जान से लगे हुए है. मुझे उम्मीद है कि वह तीनों अपनी-अपनी स्पर्धा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे.

जकार्ता में डॉ शिवाजी कुमार के साथ पैरा एथलीट शरद कुमार.

यूक्रेन में दो वर्षों से लगातार अभ्यास

पिछले दो वर्षों से शरद यूक्रेन में अपनी स्पर्धा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए अभ्यास कर रहे है. रियो पैरालंपिक में शरद पदक से चूक गये थे, लेकिन इसबार वह गोल्ड के इरादे से मैदान पर उतरेंगे. शरद के सामने भारत के ही दो खिलाड़ी वरुण भाटी और मरियप्पन थंगावेलु मजबूत दावेदार है. मरियप्पन ने रियो पैरालंपिक के ऊंची कूद टी-42 स्पर्धा में गोल्ड जीता था, जिसमें शरद छठे स्थान पर रहे थे. हालांकि इसके बाद शरद ने वापसी की और 2017 में लंदन में आयोजित आईपीसी वर्ल्ड चैंपियनशिप में रजत पदक जीता. जकार्ता पहुंच चुके शरद ने प्रभात खबर से बातचीत में कहा कि मैं इस प्रतियोगिता के लिए विदेशी कोच की देखरेख में पिछले दो वर्षों से लगातार अभ्यास कर रहा हूं. मुझे उम्मीद है कि मैं खाली हाथ नहीं लौटूंगा. इसकी तैयारी के लिए मैं खेल सम्मान तक लेने अपने राज्य नहीं गया.

इधर पैरा तैराकी के एस-5 स्पर्धा में पैरा तैराक शम्स आलम शेख अपनी पूरी तैयारी के साथ उतरेंगे. हाल ही में विश्व नंबर वन की रैंकिंग हासिल करनेवाले शम्स ने कहा कि मैं अब तक का अपना बेस्ट प्रदर्शन करूंगा. वहीं शॉटपुट के एफ-54 स्पर्धा में अर्चना कुमारी अपना बेस्ट देने को तैयार है.

एशियन परा गेम्स जकार्ता इंडोनेशिया में भाग लेने गये समर्पण से जुड़े पैरा एथलिट

पैरा एशियन गेम्स में भारत का एक पदक पक्का

रंगारंग आगाज

जकार्ता में शनिवार को रंगारंग कार्यक्रम के साथ पारा एशियन गेम्स का आगाज हो गया. पहले दिन भारतीय पारा बैडमिन्टन टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में पहुंच कर पदक पक्का किया. करीब 43 देशों के करीब 3 हजार खिलाड़ी अपना दमखम दिखायेंगे. इनमें से भारत के 187 खिलाड़ी शामिल है. भारत से मरियप्पन थंगावेलु ध्वजवाहक थे. शनिवार को भारत ने बैडमिंटन स्पर्धा में हिस्सा लिया व प्री-क्वार्टर में चीनी ताइपे, क्वार्टर में जापान को हरा कर अंतिम-4 में जगह बनायी.

स्वर्ण जीतने के बाद शरद कुमार चीफ डी मिशन बिहार के शिवाजी के साथ।

बिहार के शरद ने रिकॉर्ड के साथ जीता सोना

जकार्ता (एजेंसी)। भारत को यहां जारी पैरा-एशियाई खेलों में गुरुवार को बड़ी सफलता हासिल हुई है। भारतीय अथलीटों ने एक ही स्पर्धा में तीनों पदकों पर कब्जा जमाया है। भारतीय अथलीटों ने पुरुषों की ऊंची कूद टी-42/63 स्पर्धा में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक

पैरा एशियाई खेल

▶ पुरुष ऊंची कूद में तीनों पदक भारत के नाम

अपने नाम किये। बिहार के शरद कुमार ने इस स्पर्धा में गेम रिकॉर्ड तोड़ते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया।

इसके अलावा, रियो पैरालम्पिक खेलों के पदक विजेता वरुण सिंह भाटी ने सीजन बेस्ट प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता। इस स्पर्धा का कांस्य पदक रियो पैरालम्पिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले मरियप्पन थंगावेलु ने कांस्य पदक पर कब्जा जमाया।

400 मी. में रजत और दो कांस्य

भारत ने पुरुषों की 400 मीटर रेस स्पर्धाओं में एक रजत और दो कांस्य पदक हासिल हुए हैं। पुरुषों की 400 मीटर टी-44/62/64 रेस स्पर्धा में भारत को एक रजत और एक कांस्य पदक हासिल हुआ है। इसके अलावा, 400 मीटर टी-45/46/47 स्पर्धा में एक कांस्य पदक हासिल हुआ है। भारत के आनंदन गुनासेखरन ने 400 मीटर टी-44/62/64 रेस स्पर्धा को 53.72 सेकेंड में पूरा करते हुए गेम रिकॉर्ड तोड़कर रजत पदक जीता। इसके अलावा, विनय कुमार ने 54.45 सेकेंड के समय में इस रेस को पूरा करते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर कांस्य पदक जीता। पुरुषों की 400 मीटर टी-45/46/47 स्पर्धा के फाइनल में संदीप सिंह मान ने 50.07 सेकेंड का समय लेकर सीजन बेस्ट प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता।

गुर्जर को भाला फेंक में रजत

भारत के भाला फेंक के अथलीट सुंदर सिंह गुर्जर ने गुरुवार को एशियाई पैरा खेलों में पुरुषों के एफ-46 वर्ग में रजत पदक जीता जबकि पैरालम्पिक में दो बार के स्वर्ण पदक विजेता देवेंद्र झाझरिया चौथे स्थान पर रहे। इसी स्पर्धा में रिंकू ने कांस्य पदक जीता। एफ-46 विकलांगता शरीर के ऊपरी हिस्से के किसी अंग की कमजोरी से जुड़ा है। भारत ने पुरुषों की 400 मीटर दौड़ टी13 में भी कांस्य पदक जीता। उसको यह पदक अवनिल कुमार ने दिलाया। टी13 आंखों में कम रोशनी से जुड़ा वर्ग है।

भाला फेंक में गुर्जर ने अपने पांचवें प्रयास में 61.33 मीटर के साथ रजत पदक हासिल किया। गुर्जर ने इन खेलों से पहले 22 दिन फिनलैंड में अभ्यास किया था। रिंकू ने 60.92 मीटर भाला फेंका जो उनका सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन भी है। श्रीलंका के दिनेश हेराथ ने 61.84 मीटर के साथ स्वर्ण पदक जीता।

झाझरिया को हालांकि निराशा हाथ लगी। पिछली बार के रजत पदक विजेता और खेल रत्न पुरस्कार विजेता झाझरिया ने इस सत्र में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 59.17 मीटर भाला फेंका लेकिन यह पदक जीतने के लिए पर्याप्त नहीं था। पुरुषों की 400 मीटर दौड़ में अवनिल कुमार 52 सेकेंड का समय लेकर कांस्य पदक जीता। ईरान के ओमिद जारिफ सनायेई ने 51.41 सेकेंड के साथ स्वर्ण जबकि थाईलैंड के श्रीगाहूट लेमसान ने रजत पदक जीता। कुमार मामूली अंतर से रजत से चूक गये।

अंतरराट्रीय पटल पर हमारी उपलब्धियां

जकार्ता (इन्डोसिया) में 6 से 14 अक्टूबर 2018 तक के लिए आयोजित तीसरे पैरा एशियन गेम्स के लिए डिप्टी चीफ द मिशन के रूप में बिहार के निःशक्तता आयुक्त डा0 शिवाजी कुमार ने भाग लिया। इस पैरा एशियन गेम्स में बिहार की संस्था समर्पण से जुड़े दिव्यांग खिलाड़ियों ने भी भाग लिया।

पैरा एशियन गेम्स में समर्पण से जुड़े नारायण ठाकुर (सीपी दिव्यांग) दरभंगा सौ मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक प्राप्त किया

पैरा एशियन गेम्स में प्रमोद भगत (हाजीपुर) बैंडमिंटन डबल्स में रजद और सिंगल में स्वर्ण पदक प्राप्त किया

इंडोनेसिया के अतिरिक्त थिम्पू, भूटान में दिव्यांगता के क्षेत्र में खेलकूद से संबंधित अंतर्राष्ट्रीय बैठक में भारत के प्रतिनिधि के रूप में समर्पण के पूर्व चेयरमैन डॉ0 शिवाजी कुमार ने 27-28 सितम्बर 2018 को हिस्सा लिया। इस बैठक में दिव्यांगजनों के लिए खेलकूद को लेकर समस्याओं और संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। इस चर्चा में राज्य आयुक्त निःशक्तता, पटना, बिहार ने भारतीय पक्ष रखा।

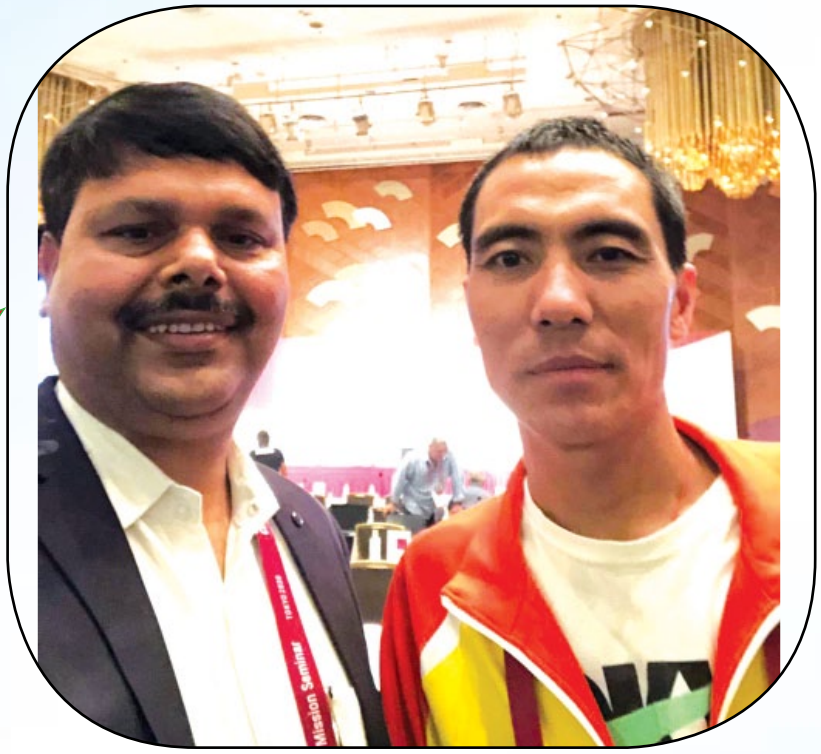

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपने आवास पर पैरा एशियन गेम्स में पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों से मुलाकात की।

शरद कुमार, मुजफ्फरपुर (दिव्यांग) उंची कूद में विश्व रिकॉड के साथ स्वर्ण पदक प्राप्त करने के बाद प्रधानमंत्री से मिले।

15वीं राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप (सेरेब्रल पॉल्सी) पाटलिपुत्रा में अतिथि के रूप में दिव्यांग खिलाड़ियों के साथ राज्य आयुक्त निशक्तता बिहार पटना।

प्रति नजरिया बदलने की जरूरत

बिहार प्रादेशिक अग्रवाल सम्मेलन

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

अच्छे कार्यों के लिए महिलाएं सम्मानित

पटना। समर्पण और सिविल सोसाइटी फोरम की ओर से गुरु को महिला सशक्तीकरण पर कंकड़बाग में कार्यशाला हुई। य विभिन्न क्षेत्र में कार्यरत महिला को पुरस्कृत किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में राज्य नि:श आयुक्त डॉ. शिवाजी कुमार, पिंकी देवी और माला सिन्हा ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। अवसर पर भाजपा की जिलाध मीना देवी, समाजसेवी देवयानी सिम्पल भारती, सुमन मिश्रा अ रीना मिश्रा को अतिथियों ने उ उल्लेखनीय काम के लिए सम किया। मौके पर नीलम सिंह, श्रीवास्तव, डॉ. रितु रंजन, व सगुन, संतोष सिन्हा, लक्ष्मी सुनीता, संदीप आदि मौजूद

• हिन्दुस्तान

बेहतर कार्य कर रही महिलाओं का सम्म

पटना. समर्पण एवं सिविल सोसाइटी फोरम द्वारा गुरुवार को महिला सशक्तीकरण पर कार्यशाला एवं बिहार के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया. समर्पण

में सरकार द्वारा महिलाओं को बढ़ाने के लिए कई योजनाओं प कर रही है. इस मौके पर समाज पिंकी यादव, माला सिन्हा भी मौज इस दौरान बिहार में उत्कृष्ट कार्य के लिए मीना देवी, देव्यानी,

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर विशिष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को समर्पण द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया।

आंकड़ों में हमारी उपलब्धि

समर्पण की सहायता से विभिन्न क्षेत्रों के दिव्यांग लाभार्थी

प्रमाणपत्र	365	शिक्षा ऋण	200
पेंशन	498	इन्दिरा आवास	073
पुनर्वास	119	कानूनी मुक्त सहायता	072
उपकरण से संबंधित	318	छात्रवृति एवं नामांकन	020
ड्राइविंग लाइसेंस से संबंधित	111	निर्वाचन	091
राशनकार्ड	181	खाद्य बीज	091
रेलवे कान्सेसन	087	भूमि विवाद	024,
खेलकूद से संबंधित	099	स्वयं सेवी संस्था	009
प्रधानमंत्री मुद्रा ऋण	069	अन्य	000

चलंत न्यायालय मधुबनी का एक दृश्य।

वार्षिक प्रतिवेदन 2017-2018

विश्व ऑटिज्म जनजागरूकता दिवस के पूर्व संध्या पर कार्यशाला का आयोजन

समर्पण एवं इंडियन स्पोर्ट्स फेडरेशन ऑफ ऑटिज्म के संयुक्त तत्वावधन में दिनांक 1 अप्रैल 2017 शनिवार को विश्व ऑटिज्म जनजागरूकता दिवस के पूर्व संध्या पर समर्पण सेमिनार हॉल, जी.-31, पीपुल्स कॉपरेटिव कॉलोनी, कंकड़बाग में सुबह 11:30 बजे से ऑटिज्म जन जागरूकता पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री ई0 अजय यादव समाजसेवी एवं डा0 शिवाजी कुमार मंदबुद्धि विशेषज्ञ सह सचिव, समर्पण दोनों ने सयुक्त रूप से दीप जला कर ऑटिज्म जन जागरूकता कार्यशाला का शुभारंभ किया । इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि डा0 विश्वेन्द्र कुमार अध्यक्ष, पैरालिंपिक कमिटी ऑफ बिहार, डा0 राजीव गंगौल अध्यक्ष बिहार पैरेन्ट्स एसोसिएशन, विवेक कुमार फिजियो थैरैपी, संतोष कुमार सिन्हा, श्री लक्ष्मीकान्त कुमार स्पेशल टीचर, समर्पण एवं सैकड़ों अभिभावक, निशक्त खिलाडी एवं कई गणमान्य लोग भी मौजूद थे।

विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस पर अभिभावकों की जागरूकता के लिए रन फॉर ऑटिज्म का आयोजन किया गया

पटना 02 अप्रैल, 2017

समर्पण एवं एक्शन रन पफॉर ऑटिज्म के संयुक्त तत्वाधन में आज दिनांक 2 अप्रैल 2017 रविवार को विश्व ऑटिज्म जनजागरफकता दिवस के अवसर पर समर्पण स्कुल से राजेन्द्र नगर से होते हुए पुर्णः वापस समर्पण स्कुल गई पटना में सुबह 06:00 बजे से विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस पर अभिभावकों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन डा0 शिवाजी कुमार मंदबुद्धि विशेषज्ञ सह चेयरमैन, समर्पण के द्वारा इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि अजय यादव समाज सेवी, मधु श्रीवास्तव समाजसेवी, विवेक कुमार, संतोष कुमार सिन्हा, श्री लक्ष्मीकान्त कुमार एवं 80 से ज्यादा अभिभावक मौजूद थे। सभी अभिभावकों को ऑटिज्म बच्चों के प्रति जागरूकता लाने पर विस्तृत जानकारी दी गई ।

विश्व ऑटिज्म जनजागरूकता दिवस अवसर पर "वाक् फॉर ऑटिज्म" का आयोजन

17 अप्रैल 2017

समर्पण एवं इंडियन स्पोर्टस पफडेरेशन ऑपफ ऑटिज्म के संयुक्त तत्वाधन में आज दिनांक 17 अप्रैल 2017 सोमवार को विश्व ऑटिज्म जनजागरूकता दिवस के अवसर पर समर्पण विशेष स्कूल- जी-31, पी सी कॉलोनी, कंकड़बाग, पटना से राजेन्द्र नगर टर्मिनल तक सुबह 11:00 बजे से "वाक् फॉर ऑटिज्म" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ऑटिज्म के प्रति समाज में जागरूकता फैलाना है। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री अजय यादव समाजसेवी एवं डॉ0 शिवाजी कुमार मंदबुद्धि विशेषज्ञ सह सचिव, समर्पण दोनों ने

सयुक्त रूप से मशाल जला कर ऑटिज्म जन जागरूकता मार्च को रवाना किया। इस कार्यक्रम में मधु श्रीवास्तव समाजसेवी, लक्ष्मीकान्त कुमार, संतोष कुमार सिन्हा (चाईल्ड कन्सर्न) संदीप कुमार खेल निदेशक, स्पेशल ओलंपिक एवं सैकड़ों अभिभावक, निशक्त खिलाड़ी एवं कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

28 अप्रैल 2017

समर्पण ओलम्पियाड अन्तर स्कूल "चित्रकला ड्राईग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता" में छात्रों ने अपनी प्रतिभा को कैनवास पर बिखेरा।

28-29 अप्रैल 2017

ओपनिंग आई कार्यक्रम हेल्दी एथलीट प्रोग्राम

समर्पण, स्पेशल ओलंपिक बिहार तथा सफल बाल विकास, मानसिक स्वास्थ्य एवं विकलांग पुनर्वास संस्थान एवं लायन्स क्लब मुजफ्फरपुर के संयुक्त तत्वावधन में ओपनिंग आई प्रोग्राम आँख जाँच का नयनदीप आई अस्पताल, बेला मुजफ्फरपुर में आयोजित किया गया।

5 मई 2017

समर्पण द्वारा मुफ़्त मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य जाँच शिविर

हाजीपुर वैशाली 05 मई 2017। मानसिक, शारीरिक, मूक-बधिर एवं अन्य विकलांगों के विकास हेतु समर्पण,बिहार एवं "सहयोग" वैशाली द्वारा मुफ़्त विकलांगता पहचान शिविर का आयोजन वैशाली जिला स्थित हाजीपुर मुख्यालय के बबूना धर्मशाला में किया गया ।

पटना 12 मई 2017

"समर्पण के संयुक्त तत्तवाधन में आज दिनांक 12 मई 2017 शुक्रवार को "फन डे" एवं भिन्न- भिन्न कर्यक्रमों का आयोजन किया गया।

25 मई 2017

समर कैम्प-पेन्टिग प्रतियोगिता

समर्पण एवं पतंग कला, शिल्प एवं सांस्कृतिक विभाग "समर्पण" जो विकलांगों के लिए कला एवं सांस्कृतिक विकास के लिए कार्यरत है, संयुक्त तत्वावधान में 25 मई 2017 को सुबह 9:00 बजे से विकलांगों के लिए " अन्तर विशेष विद्यालय चित्रकला प्रतियोगिता" का उदघाटन बिहार ललित कला अकादमी परिसर, प्रेमचन्द रंगशाला, राजेन्द्र नगर पटना में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन श्रीमति सुलेखा कुमारी योगा विशेषज्ञ एवं ममता भारती चित्राकार, पटना किया गया। मौके पर अन्य गणमान्य लोगों के साथ समर्पण स्कूल के सदस्यगण कुसुम कुमारी, रीना कुमारी एवं राजेश कुमार आदि उपस्थित थे।

01 जून 2017

स्पोर्टस मेडिसिन पर कार्यशाला

समर्पण, बिहार विकलांग खेल अकादमी तथा इसकी अंगीभूत इकाईयाँ- स्पेशल ओलंपिक बिहार, पैरालिम्पिक कमिटि ऑफ बिहार, बिहार डेफ स्पोर्टस एसोसिएशन, बिहार नेत्राहीन खेल संघ, बिहार एबिलिम्पिक सोसायटी एवं बिहार विकलांग क्रिकेट संघ के संयुक्त तत्वावधान में अपराह्न 4 बजे समपर्ण छात्रावास सेमिनार हॉल में स्पोर्टस मेडिसीन - निःशक्त खिलाड़ियों की आवश्यकता विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि डा0 जतिन एन0 वालिया के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

5 जून 2017

वार्षिक ए0जी0एम मिटिंग-वार्षिक कार्यक्रम 2017-2018 जारी

समर्पण के तत्वावधन में वर्ष 2017 - 2018 के लिए वर्ष भर चलने वाली कार्यक्रम को जारी किया गया। दिनांक 5 जून 2017 को संध्या 4:30 बजे स्काडा बिजनेस सेन्टर, सोन भवन, पटना में समर्पण के वर्ष भर चलने वाले कार्यक्रम को डा0 शिवाजी कुमार, द्वारा जारी किया गया । आज पहले वार्षिक ए0जी0एम0 मिटिंग भी किया गया।

12 जून 2017

समर्पण द्वारा मुफ़्त स्वास्थ्य जाँच शिविर

समर्पण एवं सैक्रिफाइस, किशनगंज के संयुक्त तत्वावधन में मानसिक, शारीरिक, मूक-बधिर एवं अन्य विकलांगों के विकास हेतु मुफ़्त विकलांता पहचान शिविर का आयोजन सैक्रिफाइस सेमिनार हॉल, किशनगंज जिला में किया गया। इस शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि समाज सेवी रंजीत कुमार के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। उन्होंने अपने सम्बोध्न में बताया कि विकलांग की समस्या बहुत है, इसे सही आकलन एवं पहचान कर पुनर्वासित करना मुख्य लक्ष्य है। इसके लिए गाँव के लोगों को एकजुट होकर इस समस्या का निदान निकालना होगा।

2 जुलाई 2017

राज्य स्तरीय आर्ट एवं क्राफ़्ट प्रदर्शनी

समर्पण, पटना के तत्वावधान में 12वीं बिहार राज्य स्तरीय आर्ट एवं क्राफ़्ट प्रदर्शनी नन्द लाल बसु, कला दिर्घा, मौर्यालोक बाहरी परिसर, डाकबंगला में लगाया गया। इस पोस्टर प्रदर्शनी का उद्घाटन सुश्री सुलेखा कुमारी सचिव, समर्पण के द्वारा किया गया। प्रदर्शनी में सैकड़ों पोस्टर लगाये गये थे। प्रदर्शनी का विषय मानसिक बुद्विता के कारणों एवं निदानों पर था। इन पोस्टरों के माध्यम से बच्चों में मंदबुद्वि के कारणों जैसे गर्भावस्था के समय असावधानियॉ, समय से पहेल बच्चा पैदा होना, जन्म के समय असावधानी, जन्म के बाद के कारणों पर स्लोगन व पोस्टर की प्रदर्शनी की गई।

09-10 जुलाई 2017

प्राइवेट स्कूल शिक्षकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला

24 जुलाई 2017

बिहार राज्य स्तरीय श्लोगन लेखन प्रतियोगिता

समर्पण के तत्वावधन में 1 अगस्त 2017 को प्रत्येक वर्ष की भांति अपना 23वॉं स्थापना दिवस, आशादीप, दीघा, पटना में बड़े धुमधाम से मनाया। इस दौरान विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें संस्थान की ओर से निःशक्त मंदबुद्वि, सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म एवं बहु विकलांग छात्रा/छात्राओं के द्वारा सांस्कृति कार्यक्रम नृत्य, संगीत, ड्रामा, फेंसी ड्रेस एवं फन गेम प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

24 सितम्बर 2017

विश्व बधिर दिवस कार्यशाला का आयोजन

समर्पण एवं संभव, मधुबनी के संयुक्त तत्वावधान में विश्व बधिर दिवस का कार्यशाला का आयोजन रोज पब्लिक स्कूल, स्टेशन रोड, मधुबनी में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्या शिव गंगा बालिका उच्च विद्यालय मधुबनी के कर कमलों द्वारा किया गया। मोके पर रोज पब्लिक हाई स्कूल के प्राचार्य, सुलेखा कुमारी योगा विशेषज्ञ, अभिभावक, समाज सेवी एवं कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

20 नवम्बर 2017

अन्तरराष्ट्रीय वैश्विक बाल दिवस के अवसर पर विशेष बच्चों के लिए फन गेम्स/फन डे का रंगारंग आयोजन किया गया

02 दिसम्बर, 2017

विश्व दिव्यांग दिवस की पूर्व संध्या पर दिव्यांगों के जन-जागरूकता के लिए जागरूकता मार्च

समर्पण बिहार बिकलांग खेल अकादमी के संयुक्त तत्वाधन में आज दिनांक 2 दिसम्बर 2017 शनिवार को विश्व दिव्यांग दिवस के पूर्व संध्या पर समर्पण विशेष स्कूल- जी-31, पी सी कॉलोनी, कंकड़बाग, पटना से राजेन्द्र ओभर ब्रिज होते हुए वापस समर्पण स्पेशल स्कूल तक दोपहर 12:00 बजे से "दिव्यांग जन-जागरूकता मार्च" का आयोजन किया गया।

3 दिसम्बर 2017

अन्तरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस (3 दिसम्बर) के अवसर पर विशेष बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम

समर्पण, बिहार दिव्यांग खेल अकादमी एवं संहयोगी संगठन के संयुक्त तत्वावधान में अन्तरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर दिनांक 03 दिसम्बर, 2017 (रविवार) को दोपहर 12:30 बजे दिन से समर्पण-सेमिनार हॉल, जी-31, पीसी कॉलोनी, कंकड़बाग, पटना-20 में दिव्यांग बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

24-25 दिसम्बर 2017

गाईडेन्स एण्ड कॉउन्सेलिंग फॉर पैरेन्टस ऑपफ स्पेशल नीड्स पर कार्यशाला आयोजित

समर्पण के तत्वावधान में गाईडेन्स एण्ड कॉउन्सेलिंग फॉर पैरेन्टस ऑफ स्पेशल नीड्स पर दो दिवसीय कार्यशाला समर्पण सेमिनार हॉल, राजेन्द्रनगर में आयोजित किया गया। मानसिक विकलांग बच्चों के अभिभावको के लिए मानसिक विकलांगों के लिए मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन के महत्व पर किया गया। मानसिक रूप से विकलांग बच्चों के देख-भाल व प्रबंधन में मनोवैज्ञानिकों का सम्मिलित होना आवश्यक है।

16-17 फरवरी 2018

पैरेन्टस ट्रेनिंग प्रोग्राम, मुजफ्रपफरपुर

समर्पण एवं पाटलीपुत्रा पाईरेंट्स एसोसिएशन ऑपफ मेंटली हैण्डीकैप्ड ;बिहार स्टैट पफडेरेशन ऑपफ पाईरेन्ट्स एसोसिएशनद्ध के तत्वाधन में सपफल सेमिनार हॉल में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

समर्पण बाल विकास एवं मानसिक स्वास्थ्य एवं विकलांग पुनर्वास संस्थान के सहयोग से लाभार्थियों की संख्या

सेवाएं	-	2017-18
सामान्य सेवाएं		1221
चिकित्सा संवाएं		422
व्यवहार सुधान		431
भौतिक चिकित्सा		142
अभिभावक परामर्श		2013
पुर्व हस्तक्षेप की सेवाएं		112
बोलचाल- भाषण चिकित्सा		262
व्यवसायिक परीक्षण एवं प्रस्थापन		362

वार्षिक प्रतिवेदन 2016-2017

विश्व ऑटिज्म दिवस कार्यशाला आयोजित

समर्पण के तत्वाधन में विश्व स्वालीनता ऑटिज्म दिवस 2 अप्रैल के अवसर पर एक दिवसीय कार्यशाला 02 अप्रैल, 2016 को "समर्पण" सेमिनार हॉल, जी-31, पीसी कॉलोनी, कंकड़बाग, पटना-20 में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री विनोद भांती अध्यक्ष, बिहार विकलांग खेल अकादमी के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। मौके पर डा0 सुभाष चन्द्रा अध्यक्ष, पैरालिम्पिक कमिटि ऑफ बिहार, डा0 आर0एन0सिंह अध्यक्ष, बिहार क्रिकेट एसोसिएशन फॉर डिसएब्लडि, सुलेखा कुमारी, श्री प्रभात रंजन अध्यक्ष, झारखंड विकलांग खेल संघ, मो0 अब्बास रिजबी समाजसेवी के साथ साथ कई एन0जी0ओ0 के प्रतिनिधि, अन्य जिलों से आये विशेष स्कूल के अध्यापक, अभिभावक एवं गणमान्य लोग मौजूद थे।

समर्पण ओलम्पियाड अन्तर स्कूल "चित्राकला ड्राईंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता" में छात्रों ने अपनी प्रतिभा को कैनवास पर विखेरा

समर्पण एवं लिटिल स्टार स्टडी पवाइन्ट, गोरिया टोली, पटना के सहयोग से दिनांक 27 अप्रैल 2016 को दोपहर 02:00 बजे से "समर्पण ओलम्पियाड अन्तर स्कूल चित्राकला ड्राईग एवं पैंटिग प्रतियोगिता " का आयोजन, समर्पण सेमिनार हॉल, जी0-31 पीपुल्स कॉपरेटिव कॉलोनी, कंकड़बाग, पटना में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उदघाटन डा0 विश्वेन्द्र सिन्हा विभागाध्यक्ष, हड्डी रोग, पी0एम0सी0एच0 के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

29 अप्रैल 2016

विश्व नृत्य दिवस के अवसर पर विकलागों का जलवा

समर्पण एवं "पतंग" जो समर्पण की कला, शिल्प एवं संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधन में 29 अप्रैल, 2016 को विश्व नृत्य दिवस के अवसर पर नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन समर्पण हॉल, कंकड़बाग, पटना में किया गया । इस प्रतियोगिता में 110 मानसिक एवं बहु विकलांग बच्चों ने नृत्य, संगीत प्रतियोगिता में भाग लिया । इसमें विकलांग बच्चों द्वारा व्हील चेयर डांस का भी आयोजन किया गया ।

28-29 अप्रैल 2016

ओपनिंग आई कार्यक्रम हेल्दी एथलीट प्रोग्राम

समर्पण, स्पेशल ओलंपिक बिहार तथा सपफल बाल विकास, मानसिक स्वास्थ्य एवं विकलांग पुनर्वास संस्थान एवं लायन्स कल्ब मुजफ्फरपुर के संयुक्त तत्वाधन में ओपनिंग आई प्रोग्राम आँख जाँच का नयनदीप आई अस्पताल, बेला मुजफ्फरपुर में आयोजित किया गया।

10 मई 2016

युथ लीडरशीप 'आर वर्ड कैम्पेन'

समर्पण, स्पेशल ओलम्पिक भारत-बिहार तथा सेंट डोमनिक सैवियोस हाई स्कूल, नासरीगंज, दानापुर के संयुक्त तत्वाधन में यूनिपफाई प्रोजेक्ट के तहतयुथ एक्टीवेशन कमिटि का गठन सुबह 8 बजे एक कार्यक्रम के तहत किया गया। यह कार्यक्रम मानसिक विकलांग बच्चों एवं सामान्य बच्चों के बीच सामंजस्य लाने की एक सिढ़ी है । इस कार्यक्रम का उद्घाटन सेंट डोमनिक सैवियोस हाई स्कूल के युनिपफाई के प्राचार्य जी0 गलस्टान के कर कमलों द्वारा किया गया। श्री संदीप कुमार कार्यक्रम समन्वयक यूनिफाई प्रोजेक्ट-पटना, कॉडिनेटर श्री संजय कुमार यादव, श्री सुगन्ध नारायण प्रसाद कोर्डिनेटर, स्पेशल ओलम्पिक बिहार, श्री दीपु कुमार सहायक कार्यक्रम समन्वयक कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

25 मई 2016

समर कैम्प-पेन्टिग प्रतियोगिता

समर्पण एवं पतंग कला, शिल्प एवं सांस्कृतिक विभाग "समर्पण" जो विकलांगों के लिए कला एंव सांस्कृतिक विकास के लिए कार्यरत है, संयुक्त तत्वावधान में 25 मई 2016 को सुबह 9:00 बजे से विकलांगों के लिए "अन्तर विशेष विद्यालय चित्रकला प्रतियोगिता" का उद्घाटन बिहार ललित कला अकादमी परिसर, प्रेमचन्द रंगशाला, राजेन्द्र नगर पटना में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन श्रीमति सुलेखा कुमारी योगा विशेषज्ञ एवं ममता भारती चित्राकार, पटना किया गया। मौके पर अन्य गणमान्य लोगों के साथ समर्पण स्कुल के सदस्यगण कुसुम कुमारी, रीना कुमारी एवं राजेश कुमार आदि उपस्थित थें।

1 जून 2016

स्पोर्टस मेडिसिन पर कार्यशाला

समर्पण, बिहार विकलांग खेल अकादमी तथा इसकी अंगीभूत इकाईयां- स्पेशल ओलंपिक बिहार, पैरालिम्पिक कमिटि ऑफ बिहार, बिहार डेफ स्पोर्टस एसोसिएशन, बिहार नेत्राहीन खेल संघ, बिहार एबिलिम्पिक सोसायटी एवं बिहार विकलांग क्रिकेट संघ के संयुक्त तत्वावधान में अपराह्न 4 बजे समर्पण छात्रावास सेमिनार हॉल में स्पोर्टस मेडिसीन -निःशक्त खिलाड़ियों की आवश्यकता विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि डा0 जतिन एन0 वालिया के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

5 जून 2016

वार्षिक ए0जी0एम मिटिंग-वार्षिक कार्यक्रम 2016-2017 जारी

समर्पण के तत्वावधान में वर्ष 2016 - 2017 के लिए वर्ष भर चलने वाली कार्यक्रम को जारी किया गया। दिनांक 5 जून 2016 को संध्या 4:30 बजे स्काडा बिजनेस सेन्टर, सोन भवन, पटना में समर्पण के वर्ष भर चलने वाले कार्यक्रम को डा0 शिवाजी कुमार, द्वारा जारी किया गया । आज पहले वार्षिक ए0जी0एम0 मिटिंग भी किया गया। इस अवसर पर समीर कुमार महासेठ, सुलेखा कुमारी, डा0 सुभाष चन्द्रा , श्री मोतिलाल सिंह, अंतराष्ट्रीय कोच - संदीप कुमार, राजेश कुमार, राष्ट्रीय कोच सुगन्ध नारायण, अरविन्द कुमार, शिक्षकगण एवं कई निःशक्त खिलाड़ीगण -मो0 आसिफ, सुजित कुमार, मो0 इकबाल, चंदन कुमार सहित दर्जनों अंतराष्ट्रीय एवं सैकड़ों राष्ट्रीय पदक विजेता निःशक्त खिलाड़ियों एवं अभिभावकगण उपस्थित थे।

01 अगस्त 2016

समर्पण के निःशक्त छात्रों ने मनाया स्थापना दिवस

समर्पण के तत्वावधन में 1 अगस्त 2016 को प्रत्येक वर्ष की भांति अपना 15वाँ स्थापना दिवस, आशादीप, दीघा, पटना में बड़े धुमधाम से मनाया। इस दौरान विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें संस्थान की ओर से निःशक्त, सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म एवं बहु विकलांग छात्र/छात्राओं के द्वारा सांस्कृति कार्यक्रम नृत्य, संगीत, ड्रामा, फेंसी ड्रेस एवं फन गेम प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन लायन्स डा0 विजय झुनझुनवाला डीस्ट्रक्ट गवर्नर एवं डा0 शिवाजी कुमार मंदबुद्धि विशेषज्ञ सह निदेशक के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। मौके पर लायन्स यू0एन0सिंह चैयरमैन, लायन्स डा0 नन्दा गर्ग, प्रिसिंपल सिस्टर कैथरिन, सिस्टर विन्सेंट और श्री मोती लाल सिंह सचिव, बिहार विकलांग छात्रा संगठन, के साथ साथ और भी कई गनमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

24-25 दिसम्बर 2016

गाईडेन्स एण्ड कॉउन्सेलिंग फॉर पैरेन्टस ऑफ स्पेशल नीड्स पर कार्यशाला आयोजित

समर्पण के तत्वाधन में गाईडेन्स एण्ड कॉउन्सेलिंग फॉर पैरेन्टस ऑफ स्पेशल नीड्स पर दो दिवसीय कार्यशाला समर्पण सेमिनार हॉल, राजेन्द्रनगर में आयोजित किया गया। यह कार्यशाला मानसिक विकलांग बच्चों के अभिभावको के लिए मानसिक विकलांगों के लिए मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन के महत्व पर किया गया । इस सेमिनार में मानसिक रूप से विकलांग बच्चों के देख-भाल व प्रबंधन में मनोवैज्ञानिकों का सम्मिलित होना आवश्यक है । मानसिक रूप से विकलांग बच्चों के प्रशिक्षण में मनावैज्ञानिको द्वारा सामाधान देना आवश्यक है, जैसे मूल्यांकन, रोग निर्धारण, वर्गीकरण तथा प्रमाणिकरण। मानसिक मंद व्यक्तियो के मनोवैज्ञानिको परीक्षण तथा मूल्यांकन के लिए मनोवैज्ञानिकों को अनुभव व प्रैकटिकल प्रशिक्षण की आवश्यकता है। मानसिक मंद व्यक्तियों की मनोवैज्ञानिक परीक्षण एवं मूल्यांकन करने की कुशलताएँ बढने पर बल दिया जाता है ।

16-17 फरवरी 2017

पैरेन्टस ट्रेनिंग प्रोग्राम, मुजफरपुर

समर्पण एवं पाटलीपुत्रा पाईरेंट्स एसोसिएशन ऑफ मेंटली हैण्डीकैप्ट बिहार स्टैट फडेरेशन ऑफ पाईरेन्ट्स एसोसिएशन के तत्वाधन में सफल सेमिनार हॉल में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें बिहार के विभिन्न जिलों से सौ से अधिक माता-पिता जिनके बच्चें-मंद-बुद्धि, ऑटिज्म, सेरेब्रल पॉल्सि एवं बहु विकलांग हैं भाग लिये।

समर्पण बाल विकास एवं मानसिक स्वास्थ्य एवं विकलांग पुनर्वास संस्थान, द्वारा उपलब्धलाभार्थियों की संख्या

सेवाएं	-	2016-17
सामान्य सेवाएं		1226
चिकित्सा संवाएं		423
व्यवहार सुधान		422
भौतिक चिकित्सा		127
अभिभावक परामर्श		2003
पुर्व हस्तक्षेप की सेवाएं		109
बोलचाल- भाषण चिकित्सा		259
व्यवसायिक परीक्षण एवं प्रस्थापन		361

वार्षिक प्रतिवेदन 2015-2016

02-04-2015

विश्व ऑटिज्म जनजागरुकता दिवस पर कार्यक्रम

राष्ट्रीय न्यास भारत सराकार के बिहार स्टैट नॉडल एजेनसी चाईल्ड कन्सर्न एव समर्पण, इंडियन स्पोर्टस फडेरेशन ऑफ ऑटिज्म के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 2 अप्रैल गुरूवार को विश्व ऑटिज्म जनजागणकता दिवस के अवसर पर समर्पण विशेष स्कूल- ककड़बाग जी31, पी सी कॉलोनी से डाक बंगला चौराहा, तक "वाक फॉर ऑटिज्म " कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री ई0 अजय यादव समाजसेवी एवं डा0 शिवाजी कुमार मंदबुद्धि विशेषज्ञ सह सचिव, समर्पण के द्वारा सयुक्त रूप से झण्डा दिखाकर ऑटिज्म जन जागरूकता मार्च को रवाना किया।

07-04-2015

विश्व स्वास्थ्य दिवस अभिभावक प्रशिक्षण कार्यशाला

अर्पण, रायपुर के तत्वावधान में अर्पण सेमिनार हॉल, साई प्लाजा, श्रीनगर, गुढ़ियारी रोड, रायपुर में विश्व स्वास्थ्य दिवस 07 अप्रैल पर अभिभावक प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित किया गया। इस कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री आर.सी. मिश्रा सचिव, पैरालिम्पिक कमिटि ऑफ छत्तीसगढ़ एवं डा0 शिवाजी कुमार के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। मौके पर डा0 राजीव गंगौल अध्यक्ष, पैरेन्टस एसोसिएशन, श्री बी0 के0 सिन्हा समाजसेवी, श्री धनवन्त सिंह राठौर समाजसेवी और कई अभिभावक निःशक्त, निःशक्त खिलाड़ी तथा कई गणमान्य लोग मौजुद थे।

12-05-2015

विश्व स्वास्थ्य दिवस अभिभावक प्रशिक्षण कार्यशाला

समर्पण पटना के तत्वावधन में आज फन डे आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सबसे पहले सुबह 08:30 बजे प्रभातफेरी से आशा कुमारी प्रचार्या, समर्पण की अध्यक्षता में समर्पण कार्यालय से श्रीरामनर सिंह होम, कंकडबाग से होते हुये अनुप मेमोरियल, कंकड़बाग के रास्ते पुनः समर्पण विशेष विद्यालय तक हुआ। आज "फन-डे" समर्पण सेमिनार हॉल, कंकड़बाग में सुबह 10:30 बजे से आयोजित किया गया कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि डा0 शिवाजी कुमार चैयरमैन, समर्पण के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

12-05-2015

ग्रामीण जागरूकता कार्यक्रम

रानी लक्ष्मी बाई महिला विकास समिति, रामदयालुनगर, मुजफ्फरपुर एवं समर्पण के संयुक्त तत्वावधान में सफल सेमिनार हॉल, रामदयालुनगर, मुजफ्फरपुर में अभिभावक प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित किया गया।

04-06-2015

पर्यावरण के प्रति जन जागरूकता के लिए दौड़ का आयोजन

समर्पण, के तत्वावधान में आज दिनांक 04 जुन 2015 का पर्यावरण के प्रति जन जागरूकता के लिए "पर्यावरण बचाओ मार्च" का आयोजन विश्व पर्यावरण दिवस के पूर्व दिवस पर सुबह 07:30 बजे से राजधनी वाटिका इको पार्क न्यू सचिवालय से शुरू किया गया जो 8:30 बजे सुबह पटना जू संजय गाँधी जैविक उद्यान गेट नं.-2 पटना पर समाप्त हो गयी। इसमें पैदल मार्च में सैकड़ों मानसिक दिव्यांग, सामान्य खिलाड़ी, आम नागरिक अभिभावक गण एवं प्रशिक्षक भाग लिये और सभी ने एक मत से प्रण किये की अपना शहर स्वच्छ और निर्मल बनाएंगे। और एक -एक पौध लगायेंगे और एक-एक दूसरे को लगाने के लिए भी देंगे। जिससे पर्यावरण स्वच्छ एवं हरा-भरा रहेगा।

26-06-2015

अन्तर्राष्ट्रीय मादक पदार्थ दुरूपयोग निवारण दिवस आयोजित

समर्पण के तत्वाधन में दिनांक 26 जुन 2015 शुक्रवार को अन्तर्राष्ट्रीय मादक पदार्थ दुरूपयोग निवारण दिवस कैलाश कॉलोनी, दिल्ली में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री गुरूशरण सिंह समाजसेवी एवं डा0 शिवाजी कुमार मंदबुद्धि विशेषज्ञ, श्री धनवन्त सिंह राठौर अध्यक्ष, मादक पदार्थ निवारण दोनों ने सयुक्त रूप से अपने कर कमलों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किये। मौके पर विशिष्ट अतिथि डा0 सुभाष चन्द्रा अध्यक्ष, पैरालिंपिक कमिटि ऑपफ बिहार, डा0 राजीव गंगौल अध्यक्ष बिहार पैरेन्टस एसोसिएशन, श्री मोति लाल सिंह अध्यक्ष, बिहार विकलांग छात्रा संगठन एवं अभिभावकगण, निशक्त खिलाड़ि एवं कई गणमान्य लोग भी मौजूद थे।

07-07-2015

निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच

समर्पण के तत्वाधन में दिनांक 07 जुलाई 2015 सुबह 09:30 बजे से " निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर" का आयोजन आदर्श पब्लिक स्कूल, काशीपुर, उधमपुरनगर, उत्तराखण्ड में किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन सुबह 9:30 बजे मुख्य अतिथि ईजीनियर रत्नाकर कुमार जी, ई. रविन्द्र कुमार एवं डा0 शिवाजी कुमार सचिव, समर्पण संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया।

15 अगस्त, 2015

दिव्यांग जन जागरूकता कार्यक्रम

समर्पण के तत्वावधान में एक दिवसीय जनजागरूकता कार्यक्रम को समर्पण सेमिनार हॉल, कंकड़बाग पटना में सुबह 10:30 से आयोजित किया गया। इस कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य समर्पण विशेष विद्यालय के प्राचार्य सह प्रबन्ध निदेशक के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस जागरूकता कार्यक्रम में पटना जिला के विभिन्न स्वयं सेवी संस्थाएं, समाजसेवी, अभिभावकगण एवं विकलांगजन ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। अपने सम्बोधन भाषण में श्री ओम प्रकाश ने सभी को धन्यवाद देते हूये दिव्यांगो के लिए कार्यरत एजेन्सी एवं उसके द्वारा चलाये गये योजनाओं के बारे में जानकारी दिये जिससे दिव्यांगों को ज्यादा से ज्यादा से पुनर्वासित करने में लाभ मिल सके।

07-07-2015

स्वच्छता अभियान

समर्पण के तत्वाधन में प्रधानमंत्री स्वच्छता अभियान में मानसिक निःशक्तों बच्चों के द्वारा कोशिश प्रांगण से बाई पास मेन रोड तक स्वच्छता अभियान चलाया गया जिसमें मानसिक निःशक्त बच्चे और प्रशिक्षक ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिये।

01 दिसम्बर, 2015

जागरूकता कार्यक्रम

समर्पण (बाल विकास, मानसिक स्वास्थ्य, विकलांग पुनर्वास एवं शोध संस्थान) के तत्वावधान में विश्व विकलांग सप्ताह कार्यक्रम के तहत विभिन्न कार्यक्रमों में - 01 दिसम्बर- निःशक्तों के लिए "जाने अपना अधिकार" पुस्तक का विमोचन, 02 दिसम्बर- विकलांग सम्मान समारोह, 03 दिसम्बर- विकलांग रोकथाम पर कार्यशाला, 04 दिसम्बर- राष्ट्रीय न्यास के योजनाओं पर कार्यशाला, 05 दिसम्बर - निःशक्त खेल कूद, 06 दिसम्बर - शिशु विकलांगता पर कार्यशाला, 07 दिसम्बर - फैन्सी ड्रेस, चित्रकला एवं पैन्टिंग प्रतियोगिता एव 8 दिसम्बर - अभिभावक सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है।

04-12-2015

ऑटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी, मानसिक मंदबुद्धि एवं बहुविकलांगों के कल्याण हेतु राष्ट्रीय न्यास

भारत सरकार के योजनाओं से सम्बन्धित विषय पर कार्यशाला एवं विभिन्न स्कीम का शुभारम्भ

समर्पण के तत्वावधान में दिनांक 04 दिसम्बर, 2015 (शुक्रवार) को कार्यशाला का आयोजन "पटना यूथ हॉस्टल, फ्रेजर रोड में सुबह 11:30 से अपराह्न 03:30 बजे तक किया गया है।

कार्यशाला के मुख्य अतिथि श्री यू.एन.शुक्ला (सहायक कानूनी सलाहकार, राष्ट्रीय न्यास, नई दिल्ली) एवं डा0 शिवाजी कुमार (स्टेट नोडल आफिसर, स्नेक बिहार सह मंद बुद्धि विशेषज्ञ) के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया।

03-01-2016

"लुई ब्रेल जयन्ती समारोह (207वीं) "

समर्पण (बाल विकास, मानसिक स्वास्थ्य, विकलांग पुनर्वास एवं शोध संस्थान), बिहार नेत्रहीन खेल संघ एवं ऑल डिसएब्लड डेवलपमेंट एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में लुई ब्रेल दिवस के अवसर पर आज दिनांक 03 जनवरी, 2016 (रविवार) को दोपहर 12:30 बजे "लुई ब्रेल जयन्ती समारोह (207वीं)" मींटु छात्रावास, ब्लाइण्ड हॉस्टल, पटना विश्वविद्यालय परिसर, पटना आयोजित किया गया।

27-02-2016

जनजागरूकता कार्यशाला आयोजित

स्टेट नोडल एजेन्सी सेन्टर (स्नेक-बिहार)-समर्पण तथा अम्बा (बंगलोर) के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 27 फरवरी, 2016 (शनिवार) को मानसिक मंदबुद्धि व्यक्तियों को रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण (सूचना एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में) का आयोजन "आई.एम.ए. हॉल, दक्षिणी गाँधी मैदान, पटना में सुबह 11:00 से अपराह्न 03:00 बजे तक आयोजित किया गया

'अंतराष्ट्रीय महिला दिवस' के पूर्व संध्या पर

सम्मान समारोह सह "महिला सशक्तिकरण विषय" पर कार्यशाला समर्पण, बिहार सिविल सोसायटी फोरम एवं एक्शन फॉर ऑल के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 07 मार्च 2016 को अपराह्न 03:30 बजे दिन से "अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस" के पूर्व संध्या पर सम्मान समारोह सह "महिला सशक्तिकरण" विषय पर कार्यशाला का आयोजन समर्पण सेमिनार हॉल, जी-31, पीपुल्स कॉपरेटिव कॉलोनी, कंकड़बाग में किया गया।

समर्पण बाल विकास एवं मानसिक स्वास्थ्य एवं विकलांग पुनर्वास संस्थान द्वारा उपलब्ध सेवाओं से लाभार्थियों की संख्या

सेवाएं	-	2015-16
सामान्य सेवाएं		621
चिकित्सा संवाएं		222
व्यवहार सुधान		131
भौतिक चिकित्सा		100
अभिभावक परामर्श		1013

वार्षिक प्रतिवेदन 2014-2015

02-04-2014

रन फॉर ऑटिज्म

समर्पण के तत्वावधान में दिनांक 2 अप्रैल बुध्वार को विश्व ऑटिज्म जनजागरूकता दिवस के अवसर पर कारगिल चौक, उत्तरी गाँधी मैदान, पटना से डाक बंगला चौराहा, पटना तक सुबह 07:30 बजे से "रन फॉर ऑटिज्म क्वार्टर मैराथन " कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री समीर कुमार महासेठ अध्यक्ष, स्पेशल ओलम्पिक बिहार एवं डा0 शिवाजी कुमार मंदबुद्धि विशेषज्ञ सह प्रबन्ध निदेशक समर्पण दोनों ने सयुक्त रूप से मशाल जलाकर दौड़ रवाना किया ।

07-04-2014

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर अभिभावक प्रशिक्षण कार्यशाला

समर्पण के तत्वावधान में समर्पण सेमिनार हॉल, जी-31 पीपुल्स कॉपरेटिव कॉलोनी, कंकड़बाग, पटना में विश्व स्वास्थ्य दिवस 07 अप्रैल पर अभिभावक प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित किया गया। इस कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रो डा0 श्याम कृष्ण भूतपूर्व प्राचार्य कामर्स कॉलेज, पटना के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। डा0 शिवाजी कुमार मंदबुद्धि विशेषज्ञ, डा0 राजीव गंगौल अध्यक्ष, बिहार पैरेन्टस एसोसिएशन, श्री बी0 के0 सिन्हा समाजसेवी, श्री धनवन्त सिंह राठौर समाजसेवी और कई अभिभावक नि:शक्त, नि:शक्त खिलाड़ी तथा कई गणमान्य लोग मौजुद थे।

12-05-2014

ग्रामीण जागरूकता कार्यक्रम

समर्पण एवं समाजसेवा, जहानाबाद के तत्वाधन में बारबीघा प्राथमिक विद्यालय प्रांगण, बारबीघा, जहानाबाद में में अभिभावक प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यशाला से मानसिक नि:शक्तों के बारे में जानकारी दी गयी। इस कार्यशाला में नि:शक्तों के लिए चलाये जा रहे सरकारी एवं गैरसरकारी योजना में जानकारी दी गयी। विशेषकर राष्ट्रीय न्यास, नई दिल्ली द्वारा मानसिक नि:शक्तों के लिए चलाये जा रहे योजना - ज्ञान प्रभा, उद्यान प्रभा, निरामया -स्वास्थ्य बीमा आदि के बारे में जानकारी दी गयी।

21-05-2014

शिवलिंग मानसिक नि:शक्त भाई-बहन प्रशिक्षण कार्यक्रम

समर्पण के तत्वावधान में 21 मई को शिवलिंग नि:शक्त भाई-बहनों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम समर्पण सेमिनार हॉल, जी-31, पीपुल्स कॉपरेटिव कॉलोनी, कंकड़बाग में आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण शिविर में 45 शिवलिंग भाग लिये। इस कार्यशाला में उन्हें अपने नि:शक्त भाई-बहनों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए, उसके हौसलों को बढ़ावा देना, उससे प्यार करना, उसे परिवार के सदस्य मानन और और उसे तिरस्कार न करने का सुझाव दिया गया।

14-08-2014

विकलांगजनों के अधिकार एवं सुविधाओं के लिये जनजागरण कार्यक्रम

समर्पण पटना एवं सफल, मुजफ्फरपुर के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय जनजागरण कार्यक्रम 14 अगस्त, 2014 को सफल सेमिनार हॉल, मुजफ्फरपुर में सुबह 10:30 से आयोजित किया गया। इस कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि डा0 शिवाजी कुमार मंदबुद्धि विशेषज्ञ के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

20-12-2014

प्रदर्शनी सह बिक्री : मानसिक विकलांग बच्चों द्वारा बनाये गये ग्रिटिंग्स कार्ड

समर्पण बाल विकास, मानसिक स्वास्थ्य, पुनर्वास एवं शोध संस्थान विकलांगों के लिए, पटना के तत्वाधन में दिनांक 20 दिसम्बर 2014 शनिवार को ग्रीटिंग्स प्रदर्शनी का आयोजन कारगिल चौक, दक्षिणी गाँधी मैदान, पटना में सुबह 11:00 से 3:00 बजे तक आयोजित की गई। इस प्रदर्शनी में निःशक्तों ऑटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी, मंदबुद्धि एवं बहु विकलांग द्वारा बनाये गये क्रिसमस एवं नये वर्ष के आगमन पर बधाई संदेश देने हेतु ग्रीटिंग्स कार्ड, को मानसिक निःशक्त बच्चों के द्वारा ही बेचा भी गया ।

वार्षिक प्रतिवेदन 2013-2014

02 अप्रैल 2013

विश्व ऑटिज्म दिवस पर कार्यशाला आयोजित

"समर्पण" विशेष स्कुल के तत्वावधान में विश्व स्वालीनता ऑटिज्म दिवस 2 अप्रैल के अवसर पर एक दिवसीय कार्यशाला 02 अप्रैल, 2013 को "समर्पण सेमिनार हॉल, कंकड़बाग में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रमों का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री अजित सिन्हा निदेशक, तलाश के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। मौके पर सुलेखा कुमारी सचिव, समर्पण, श्री बी0के0सिन्हा संयोजक तलाश, मो0 अब्बास रिजवी समाजसेवी के साथ साथ कई एन0जी0ओ0 के प्रतिनिधी, अन्य जिलों से आये विशेष स्कूल के अध्यापक, अभिभावक एवं गणमान्य लोग मौजूद थे

29 अप्रैल 2013

विश्व नृत्य दिवस के अवसर पर विकलांगों का जलवा

समर्पण एवं "पतंग" जो समर्पण की कला, शिल्प एवं संस्कृति विभाग है के संयुक्त तत्वावधान में 29 अप्रैल, 2013 को विश्व नृत्य दिवस के अवसर पर नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन समर्पण हॉल, न्यू बहादुरपुर, राजेन्द्रनगर, पटना में किया गया। इस प्रतियोगिता में 60 से अधिक मानसिक एवं बहु विकलांग बच्चों ने नृत्य, संगीत प्रतियोगिता में भाग लिया । इसमें सेरेब्रल पाल्सी जैसे निःशक्तों द्वारा व्हील चेयर डांस का भी आयोजन किया गया ।

12 मई 2013

कानूनी अभिभावक की आवश्यकता विषय पर सेमिनार

कानूनी अभिभावक की आवश्यकता मंदबुद्धि, ऑटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी एवं बहु विकलांगा विषय पर सेमिनार आयोजित
समर्पण के तत्वावधान में कानूनी अभिभावक मानसिक निःशक्त की आवश्यकता पर एक दिवसीय कार्यशाला 12 मई, 2013 दिन-शनिवार को "चाईल्ड कर्ल्सन" सेमिनार हॉल, राजेन्द्र नगर पटना में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि डा0 शिवाजी कुमार निदेशक, समर्पण के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। मौके पर डा0 सुभाष चन्द्रा अध्यक्ष, पैरालिम्पिक कमिटि ऑफ बिहार, सुलेखा कुमारी सचिव, समर्पण, के साथ साथ बेबी कुमारी दुर्गा समाज सेवा संस्थान, सुमित चंदन समर्थन, बक्सर, पप्पु ठाकुर विकलांग सम्मान संस्थान, नवादा, कुंती देवी विकलांग मान सस्थान, नवादा, श्री विन्धयाचंल कुमार स्वाति फाउन्डेशन बक्सर के प्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग मौजूद थे।

01 अगस्त 2013

समर्पण के निःशक्त छात्रों ने मनाया स्थापना दिवस

समर्पण तत्वावधन में 1 अगस्त को प्रत्येक वर्ष अपना स्थापना दिवस, बड़े धुमधाम से मनाया। इस दौरान विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें संस्थान की ओर से निःशक्त मंद बुद्धि, सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म एवं बहु विकलांग छात्र/छात्राओं के द्वारा सांस्कृति कार्यक्रम नृत्य, संगीत, ड्रामा, फेंसी ड्रेस एवं फन गेम प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन डा0 शिवाजी कुमार मंदबुद्धि विशेषज्ञ सह निदेशक के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। मौके पर श्री समीर कुमार महासेठ अध्यक्ष, स्पेशल ओलम्पिक और श्री मोती लाल सिंह अध्यक्ष, बिहार विकलांग छात्रा संगठन, के साथ-साथ और भी कई गनमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

3 दिसम्बर 2013

विकलांगता सप्ताह

समर्पण के तत्वावधान में विश्व विकलांगता सप्ताह के अवसर पर 01से 08 दिसम्बर तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सबसे पहले पहला दिन मानसिक विकलांगों के लिए "फन-डे" मनाया गया। इसका उद्घाटन प्रसिद्ध मंदबुद्धि विशेषज्ञ डॉ शिवाजी कुमार ने किया तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता-श्रीमति सुलेखा कुमारी ने किया।

24-25 दिसम्बर 2013

गाइडिन्स एण्ड कॉउन्सेलिंग फॉर पैरेन्टस ऑफ स्पेशल नीड्स पर कार्यशाला आयोजित

समर्पण के तत्वावधान में गाईडिन्स एण्ड कॉउन्सेलिंग फॉर पैरेन्टस ऑपफ स्पेशल नीड्स पर दो दिवसीय कार्यशाला समर्पण सेमिनार हॉल, राजेन्द्रनगर में आयोजित किया गया। यह कार्यशाला मानसिक विकलांग बच्चों के अभिभावकों के लिए मानसिक निःशक्तों के लिए मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन के महत्व पर किया गया ।

5-10 जनवरी 2014

राज्य स्तरीय नि:शक्त खेल कूद प्रतियोगिता

समर्पण एवं स्पेशल ओलंपिक बिहार के संयुक्त तत्वावधान में मोईनुल हक स्टेडियम बाहरी परिसर, राजेन्द्रनगर, पटना में राज्य स्तरीय विकलांग खेल कूद एम0वाई0ए0एस0 प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें समर्पण के सभी छात्र /छात्राओं ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में समर्पण के अस्थि विकलांग, नेत्राहीन, मूक-बधिर एवं मानसिक निःशक्त के कुल 40 प्रतिभागी भाग लिये। सभी प्रतिभागीयों को टी-शर्ट, मैडल एवं प्रमाण पत्र दिया गया।

4 जनवरी 2014

लुई ब्रेल दिवस आयोजित

समर्पण बाल विकास, मानसिक स्वास्थ्य एवं विकलांग पुनर्वास एवं शोध संस्थान, द्वारा दिनांक 04 जनवरी, 2014 को सुबह 11:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक लुई ब्रेल दिवस के अवसर पर "समर्पण" सेमिनार हॉल, राजेन्द्र नगर, पटना मे लुई ब्रेल कि जयंती मनाई गई ।
इस कार्यक्रम का उद्घाटन सुलेखा कुमारी, सचिव, समर्पण के द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। इस मौके पर श्री मोती लाल सिंह अध्यक्ष, बिहार विकलांग छात्रा संगठन, डा0 राजीव प्रसाद गंगौल अध्यक्ष, पाटलिपुत्रा पैरेन्टस एसोसिएशन के साथ साथ कई अन्य अभिभावक भी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि ने बताया कि लुई ब्रेल दृष्टिहीनों के दृष्टि दाता थे और हम सबको उनके राहों पर चलना चाहिए। जिससे समाज में नेत्रहीनों को उचित स्थान मिल सके। इस अवसर पर आज दृष्टिहीनों के बीच ब्लाईड स्टिक, अबेकस, ब्रेल स्लेट वितरित की गई तथा इस अवसरपर नेत्राहीन बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान दृष्टि विकलांगता के क्षेत्रों में कार्य करने के लिए वर्षो से कार्यरत समाज सेवकों एवं विशेष शिक्षकों को भी सम्मानित भी किया गया।

समर्पण की ग्रामीण विकलांग पुनर्वास मुहिम से जुड़ी कुछ गतिविधियां

एक आँकड़े के अनुसार कम से कम प्रति दस बच्चों में एक का जन्म शारीरिक, मानसिक, दृष्टि बाधित, श्रवण या संवेदिक क्षति के साथ होता है अथवा बाद में यह हो जाता है। ऐसे में बाल-विकास, मानसिक स्वास्थ्य एवं विकलांग पुर्नवास संस्थान समर्पण समुदाय आधरित पुर्नवास सी.बी.आर को एक अभियान के रूप में लेकर कार्य करता रहा है।

इस अभियान के तहत समर्पण ने पिछले कुछ वर्षो से राज्य भर के 534 ब्लॉक के 5000 से ज्यादा पंचायतों दिव्यांगजनों का समूह निर्माण कर उनके पुवर्वास के लिए कोशिश करता रहा है। इसके पफायदे भी हुए हैं, हजारों की संख्या में समर्पण के सहयोग से दिव्यांगजन पुनर्वासित हो कर आज अपना बेहतर जीवन जी रहे हैं । ग्रामीण स्तर पर सी.बी.आर से संबंधित समर्पण की उपलब्धियों की कुछ झलकियां

आरा जिला के समाल पंचायत में दिव्यांगों के समूह का निर्माण।

पटना जिला के सकरैचा पंचायत में दिव्यांगों के समूह का निर्माण।

अररिया जिला के सारणपुर पंचायत में दिव्यांगों के समूह का निर्माण।

औरंगाबाद जिला के उपहारा पंचायत में दिव्यांगों के समूह का निर्माण।

बेगूसराय जिला के मंझौलिया पंचायत में दिव्यांगों के समूह का निर्माण।

बांका जिला के बहरा पंचायत में दिव्यांगों के समूह का निर्माण।

भागलपुर जिला के रानीदियरा पंचायत में दिव्यांगों के समूह का निर्माण।

छपरा जिला के माने पंचायत में दिव्यांगों के समूह का निर्माण।

राष्ट्रीय न्यास (National Trust) के दिव्यांगजनों से जुड़े कार्यक्रमों में समर्पण की सहभागिता

सत्यमेव जयते

राष्ट्रीय न्यास के तत्कालीन अध्यक्ष पुनम नटराजन समर्पण के कार्यालय में चेयरमैन डा. शिवाजी कुमार से मिलते हुए

राष्ट्रीय न्यास के एक कार्यक्रम में अपने हक के लिए आवाज उठाते हुए समर्पण से जुड़े दिव्यांग

राष्ट्रीय न्यास के एक कार्यक्रम बढ़ते कदम में जागरुकता वाहन के संचालन में समर्पण की भागीदारी

राष्ट्रीय न्यास के एक खेल कार्यक्रम में सपर्पण की भागीदारी

राष्ट्रीय न्यास के अभिभावक जागरुकता कार्यशाला में समर्पण के चेयरमैन डा. शिवाजी कुमार

राष्ट्रीय न्यास के प्रमंडल स्तरीय दिव्यांगजन खेलकूद कार्यक्रम समर्पण के चेयरमैन डा. शिवाजी कुमार

राष्ट्रीय न्यास के दिव्यांगजनों के अधिकार को लेकर आयोजित जागरुकता कार्यशाला में समर्पण के चेयरमैन डा. शिवाजी कुमार

राष्ट्रीय न्यास के स्टेट नोडल एजेंसी द्वारा आयोजित कार्यक्रम

राष्ट्रीय न्यास के खेल कार्यक्रम में समर्पण की भागीदारी

राष्ट्रीय न्यास के अर्ली इंटरवेंशन पर जागरुकता कार्यशाला में समर्पण के चेयरमैन डा. शिवाजी

राष्ट्रीय न्यास के बौद्धिक दिव्यांगता जांच शिविर में समर्पण के चेयरमैन डा. शिवाजी कुमार

राष्ट्रीय न्यास दिव्यांग बच्चों द्वारा निर्मित हैंडी क्राफ्ट्स की बिक्री सह प्रदर्शनी के आयोजन में समर्पण की भागीदारी

राष्ट्रीय न्यास दिव्यांगता पर आधारित कार्यक्रम में समर्पण की भागीदारी

एक कार्यक्रम में अपने हक की मागं करते समर्पण के दिव्यांगजन

राष्ट्रीय न्यास के कार्यक्रम में समर्पण के बच्चों की भागीदारी

नेशनल ट्रस्ट के कार्यक्रम में समर्पण के डा. शिवाजी कुमार

नेशनल ट्रस्ट दिव्यांगता को लेकर आयोजित जागरुकता कार्यक्रम में समर्पण की भागीदारी ।

विश्व आटिज्म जागरुकता दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में समर्पण के चेयरमैन डा. शिवाजी कुमार एवं अन्य

एक कार्यक्रम में अपने हक की मांग करते मंद बुद्धि दिव्यांग बच्चे

नेशनल ट्रस्ट के कार्यक्रम तहत पुस्तक प्रदर्शनी में समर्पण की भागीदारी ।

नेशनल ट्रस्ट के कार्यक्रम में समर्पण से जुड़े बच्चे की भागीदारी ।

एक जागरुकता कार्यक्रम में समर्पण के चेयरमैन डा. शिवाजी कुमार एवं अन्य

नेशनल ट्रस्ट के एक कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन करते समर्पण के चेयरमैन डा. शिवाजी कुमार, समीर महासेठ व अन्य

नेशनल ट्रस्ट के कार्यक्रम बढ़ते कदम में समर्पण के चेयरमैन डा. शिवाजी कुमार

राज्यस्तरीय कार्यक्रम के अवसर पर समर्पण की सचिव सुलेखा कुमारी एवं अन्य

नेशनल ट्रस्ट के कार्यक्रम बढ़ते कदम में समर्पण के चयरमैन डा. शिवाजी कुमार

पतंग

(Art, Craft & Culture Wing of Samarpan)

समर्पण से जुड़े दिव्यांग बच्चों की कुछ कलात्मक एवं रचनात्मक गतिविधियां

समर्पण से जुड़े दिव्यांग बच्चों की कुछ कलात्मक एवं रचनात्मक गतिविधियां

समर्पण से जुड़े दिव्यांग बच्चों की कुछ कलात्मक एवं रचनात्मक गतिविधियां

समर्पण
SAMARPAN

विश्व विकलांग दिवस
on world Disabled Day
12th Mega Talent Show for Disables

विश्व विकलांग दिवस
on world Disabled Day
12th Mega Talent Show for Disables

बिहार बाल भवन
तृतीय

समर्पण से जुड़े दिव्यांग बच्चों की कुछ कलात्मक एवं रचनात्मक गतिविधियां

प्रत्यूष

नवबिहार

नगर संस्करण

सोमवार, 18 जून, 2007

विकलांग चित्रकला प्रतियोगिता का पहला चरण संप...

TIMES CITY

THE TIMES OF INDIA, PATNA-RANCHI NATIONAL | MONDAY, JUNE 18, 2007

Children of lesser gods take part in the IXth Shivaji Bihar State Inter-Special School Drawing-cum-Painting Competition organised by Patang at Premchand Rangshala in the city on Sunday

विश्व संगीत दिवस पर नृत्य करतीं युवतियां

सूबे के कलाकारों ने बिखेरे कला के रंग

पटना (हि.प्र.)। राज्य के 35 कलाकारों ने लोकगीत, नृत्य के कई रंग बिखेरे। विश्व संगीत दिवस पर कला संस्कृति एवं युवा विभाग की ओर से बुधवार को संगीत-नृत्य संध्या का आयोजन भारतीय नृत्य कला मंदिर के सभागार में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन कला, संस्कृति एवं युवा विभाग राज्य मंत्री जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष विश्व संगीत दिवस के कार्यक्रम का आयोजन एक महीने पहले प्रखण्ड, जिला और राज्य पर होंगे।

कार्यक्रम की शुरुआत बुद्ध मिशन ऑफ इंडिया द्वारा प्रस्तुत कत्थक नृत्य पर आधारित बुद्ध वंदना बुद्धम, शरणम, गच्छामी...से हुई। इसके बाद कलाकारों ने एक से बढ़कर एक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये। देर रात तक चले कार्यक्रम में राजधानीवासियों ने लोकगीत, लोकनृत्य, कत्थक नृत्य, ...जन, गजल, भोजपुरी लोक नृत्य, गायन का भरपूर आनंद उठाया। दूसरी प्रस्तुति ...ा की मीरा मिश्र एवं साथियों द्वारा प्रस्तुत लोकगीत एवं भजन की थी जिसके ...य सुर ताल ने दर्शकों को आनंदित कर दिया। विश्व संगीत दिवस पर ...जित कार्यक्रम में लगभग 35 कलाकारों ने भाग लिया। इसके अलावा कई संस्थानों की ओर से भी विश्व संगीत दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का ...न किया गया। पतंग (कला, शिल्प एवं सांस्कृतिक विभाग चाइल्ड ...र्न) की ओर से गीत संगीत एवं वाद्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन चाइल्ड कन्सर्न के सचिव शिवाजी कुमार ने किया। कार्यक्रम में विकलांग बच्चों ने तबला, गिटार आदि बजाकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। वहीं तारा संगीत परिषद् की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें कलाकारों ने लोकनृत्य व संगीत प्रस्तुत किया।

विश्व संगीत दिवस पर संगीत-नृत्य संध्या

समर्पण की अन्य सेवाएं

प्रारंभिक शिक्षा सेवाएं :- शिशु व बच्चे ; उम्र 0.3 वर्ष जिन्हें विकासात्मक जोखिम है, विकासगति में रूकावट वाले बच्चों के लिए प्रारंभिक उपचार प्रबंध किये गए हैं जिनकी संख्या साधारण सेवा में देखे जाने वाले सेवार्थियों की कुल संख्या में एक तिहाई होती है । ये सेवाएं सप्ताह में एक बार बहुल विशेषज्ञों के दल द्वारा उपलब्ध कराई जाती है। बच्चों की प्रतिरक्षा, कारण, पोषण आहार, दूध पिलाने संवेदनात्मक व गत्यामक विकास, वाक व भाषा का विकास एवं मनो-सामाजिक संतरापेक्षण आदि इसमें सम्मिलित हैं जिनके बारे में अभिभावकों को मार्गदर्शन भी दिया जाता है ।

विशेष शिक्षा सेवाएं :- कार्यक्रम विशेष शिक्षा सेवाओं के अंतर्गत बच्चों को विभिन्न व्यवहारिक पठन, लेखन कौशल, समय, धन से संबंधित ज्ञानात्मक कौशलों का निर्धरन किया जाता है । इन सभी स्वरों के मूल्यांकन में अभिभावक सम्मिलित होते हैं । व्यक्तिक शिक्षा संबंधी कार्यक्रम तथा एकीकृत शैक्षिक कार्यक्रमों का कार्यान्वयन किया जाता है । इसमें विभिन्न अधिगम सहायक सामग्री तथा उपयुक्त साधनों का भारतीय संदर्भो में उपयोग किया जाता है। इससे विशेष शैक्षिक सेवाओं में शीघ्रता तथा प्रभावोत्पादकता के लिए कुछ आवश्यक सदर्भो में कम्पयूटर सहायक प्रशिक्षण आदि का प्रयोग किया जाता है ।

मार्गदर्शन तथा परामर्श की सेवाएं :- मानसिक मंद बच्चों के जीवन की विभिन्न दशाओं में अभिभावकों की गलत धरणाओं का सामना करने की अपेक्षा अभिभावकों को आवश्यक परामर्श देकर मानसिक मंदन के स्वरूप तथा उनकी आवश्यकताओं से अवगत कराया जाता है। पारिवारिक जीवन में बच्चों की पैतृक आकांक्षाओं का पता लगाकर उनके सर्वांगीन विकास के लिए सहायता की जाती है । अभिभावकों के मानसिक मंद बच्चों के साथ उनके समायोजन की सलाह दी जाती है।

भौतिक चिकित्सा :- साधारण बच्चों की अपेक्षा मानसिक बच्चों में उठने, बैठने तथा चलने से संबंधित गामक कौशलों का देर से विकास होता है । लगभग 15 प्रतिशत बच्चों में संवेदनात्मक सेरेब्रल पॉल्सि तथा दूसरे प्रकार के विकलांगों के लक्षण होते हैं । विवरणात्मक मूल्यांकन के उपरांत चिकित्सा उपागमों थिरेप्युटिक व्यायामद्व का प्रदर्शन व्यायाम मुद्रा भंगिमाओं को, गतिमाओं के गति आदि में सुधार की सलाह दी जाती है और आवश्यकता होने पर शल्य चिकित्सा के लिए उपयुक्त संस्थाओं को भेजा जाता है। चलने के लिए सहायक यंत्र, उपयंत्र व उपकरण के लिए भी अन्य संगठनों को रेफर किया जीता है ।

बहुल विकलांग ईकाइ :- इस सेवा के अंतर्गत जिन मानसिक मंद बच्चों में श्रवण दोष, शारीरिक विकलांग, आदि अनेक अतिरिक्त समस्याएं होती हैं, ऐसे बच्चों की सेवा के लिए विशेष सावधनी इस इकाई में बरती जाती है । बहुत विशेषज्ञों व व्यावसायिकों के दल के द्वारा हुए एक ही जगह में समग्र सेवा उपलब्ध कराई जाती है ।

व्यावसायिक प्रशिक्षण सेवाएं :-हमारे यहाँ कई व्सावसायिक कार्यो का भी प्रशिक्षण दिया जाता है।

समर्पण से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण नेटवर्किंग संस्थाएं

बाल विकास, मानसिक स्वास्थ्य एवं विकलांग पुनर्वास संस्थान समर्पण दिव्यांगता के क्षेत्र में अलग-अलग कई फलकों पर लगातार काम कर रहा है। ऐसे में समर्पण को अपने सहयोग के लिए कई अन्य संस्थाओं की जरूरत पड़ती है। इसी मकसद से समर्पण ने अपने लिए कई नेटवर्किंग एसोसिएशन बना रखा है जो समर्पण के साथ परस्पर सहयोग करते रहे हैं।

- → Indian Sports Federation for Cerebral Palsy
- → Sports for All- Unified Games
- → Bihar Disabled Sports Academy
- → Wheel Chair Rugby Federation
- → Indian Sports Federation of Autism
- → INDIAN PARA FOOTBALL FEDERATION
- → BIHAR FLOORBALL ASSOCIATION
- → All India Cricket Federation
- → Jharkhand Disabled Sports Association
- → Civil Societies Forum
- → Bihar Association of PwDs
- → Mahanth Gramin Vikas Samiti
- → Patliputra Parents Association of MH
- → Rani Laxmibai Mahila Vikas Samiti
- → West Ramkrishna Nagar Awasi (Aam Janta) Sangh

समर्पण के कुछ महत्वपूर्ण प्रकाशन

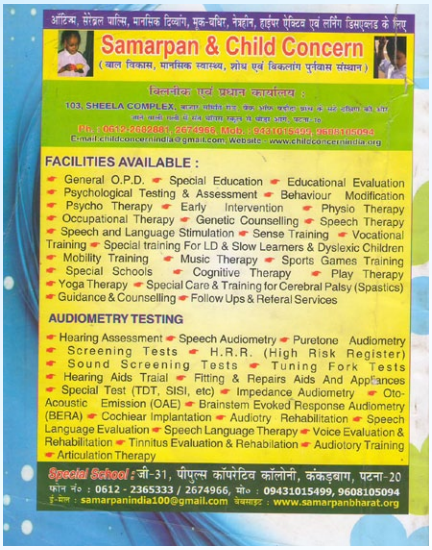

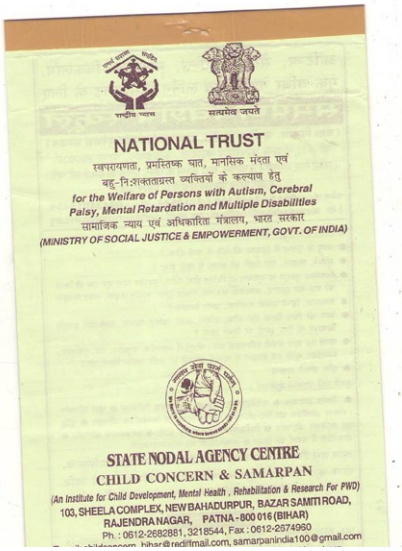

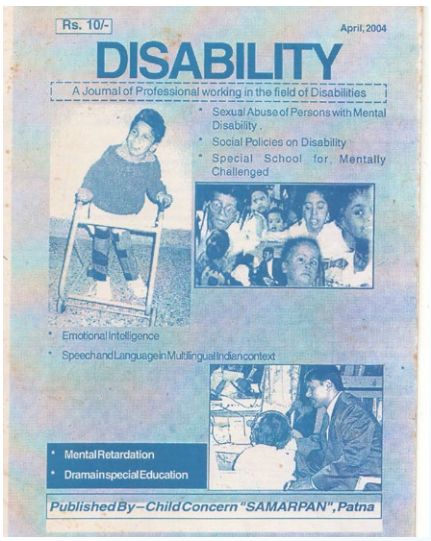

समर्पण की बिक्री सह प्रदर्शनी सेल

समर्पण दिव्यांग बच्चों द्वारा बनाये/हस्त निर्मित/ पैकिंग सामानों के लिए बाजार भी उपलब्ध कराता है। इसके लिए बिक्री सह प्रदर्शनी का आयोजन भी करता हैं।

दिव्यांगजन द्वारा निर्मित सामग्री की सूची

CHEMICAL ITEM AGARBATTI, CANDLE, SOAP WASHING, BARTNA BAR, BATH SHOP, WASHING POWDER, TOOTH POWDER, PHENYL MAING, CHALK PENCIL, VASELINE, MASK CREAM

HANDY CRAFT JHUMER, TAR PATTA MET, JUTE MET, DOOR MET, RAKHI, DIYA AND WICK MAKING, PAINTING DIYA, BRINJAL, LADYS FINGER, COLLY FLOWER, KALSHA POTTERY, PENCIL BOX, DOLL TEDDY WEAR, MONEY BEAR, PHOTO FRAMING, MURTI FRAMING, PAPER WEIGHT, BASKET, BASKET, BROOM, BUSS, HAND FAN

PAPER ITEM BOOK BINDING, ENVELOPES, GREETING CARDS, CARTOON, SWEET PACKET, TAJ MAHAL, PRINTING MITHILA, GIFT BOX, PAPER BAG

FOODING ITEM PAPAD, URAD BADDI, CHANA BESAN, MIX ACHAR

ELECTRONIC ITEM EMMERGENCY LIGHT,

SILAI KATAI SILAI KID JEE WEAR, SILAI SUIT, IMBROIDERY

FESTIVAL ITEM

WOOD ITEM CHAIR WOOD, FIRST AID BOX, RAT BOX, HANGER, HOOK, FAN HOOK

बिहार से बाहर समर्पण की कुछ महत्वपूर्ण गतिविधियां

जम्मू कश्मीर

जम्मू कश्मीर में बाढ़ पीड़ितों की मदद में समर्पण की सहभागिता।

झारखंड

पैरालिंपिक खिलाड़ियों के लिए झारखंड में समर्पण द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम।

छतिसगढ़

रायपुर, छतिसगढ़ में मानसिक विकलांगता के प्रति जन-जागरूकता के लिए विकलांगता रोक थाम एवं पैरा-खेल के विकास हेतु अर्पण, एक्शन फॉर ऑल एवं छतीसगढ पैरालिंपिक संघ के संयुक्त तत्वावधान में कार्यशाला आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का उदघाटन डॉ0 शिरवाजी कुमार - संयुक्त सचिव- पैरालिंपिंक कमिटि ऑफ इंडिया, नई दिल्ली ने किया इस अवसर पर श्री आर सी मिश्रा -सचिव-पैरालिंपिंक एसोसियेशन ऑफ छतीसगढ, श्री बी0 के0 झा0 -कोषाध्यक्ष- एवं श्री आशीष गुप्ता - कार्यक्रम समन्यवक - अर्पण उपस्थित थे।

दिल्ली

दिल्ली एनसीआर में दिव्यांगजनों के लिए समर्पण द्वारा आयोजित मेडिकल चेकअप कैंप।

समर्पण की विभिन्न जिला इकाइयों की कुछ महत्वपूर्ण गतिविधियां

समर्पण की खगड़िया जिला इकाई सरोकार द्वारा कम्यूनिटी कोच के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

समर्पण की खगड़िया जिला इकाई सरोकार द्वारा लेवल कम्यूनिटी कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

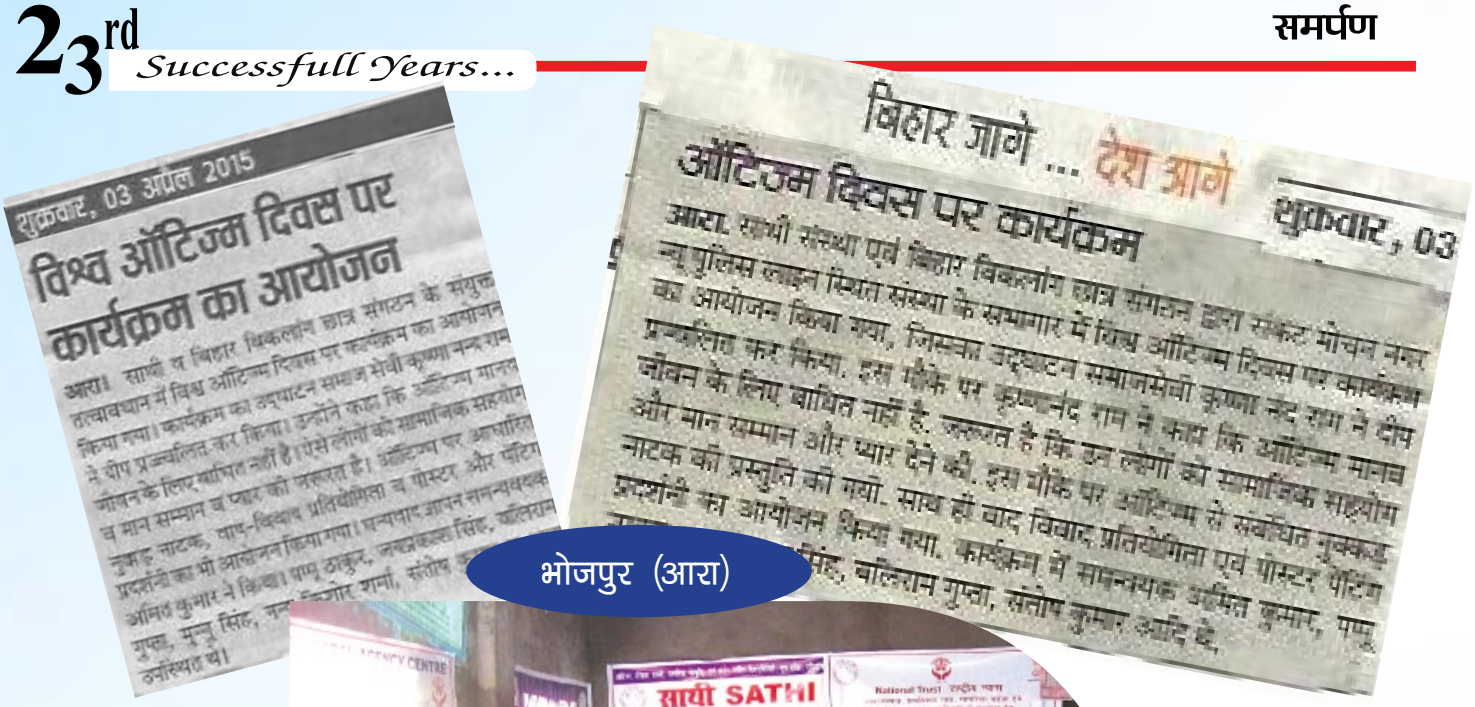

शुक्रवार, 03 अप्रैल 2015

विश्व ऑटिज्म दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

आरा। साथी व बिहार विकलांग छात्र संगठन के संयुक्त तत्वावधान में विश्व ऑटिज्म दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन समाज सेवी कृष्णा नन्द राम ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि ऑटिज्म मानव जीवन के लिए बाधित नहीं है। ऐसे लोगों को सामाजिक सहयोग व मान सम्मान व प्यार की जरूरत है। ऑटिज्म पर आधारित नुक्कड़ नाटक, वाद-विवाद प्रतियोगिता व पोस्टर और पेंटिंग प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। धन्यवाद ज्ञापन अनिल कुमार ने किया। पप्पू ठाकुर, जनार्दन सिंह, बलिराम गुप्ता, मुन्नू सिंह, ... किशोर शर्मा, संतोष ... उपस्थित थे।

बिहार जागे ... देश आगे — शुक्रवार, 03

ऑटिज्म दिवस पर कार्यक्रम

आरा. साथी संस्था एवं बिहार विकलांग छात्र संगठन द्वारा संकट मोचन नगर न्यू पुलिस लाइन स्थित संस्था के सभागार में विश्व ऑटिज्म दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन समाजसेवी कृष्णा नंद राम ने दीप प्रज्वलित कर किया. इस मौके पर कृष्णानंद राम ने कहा कि ऑटिज्म मानव जीवन के लिए बाधित नहीं है. जरूरत है कि इन लोगों को सामाजिक सहयोग और मान सम्मान और प्यार देने की. इस मौके पर ऑटिज्म से संबंधित नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति की गयी. साथ ही वाद विवाद प्रतियोगिता एवं पोस्टर पेंटिंग प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में ... अनिल कुमार, पप्पू ... सिंह, बलिराम गुप्ता, संतोष कुमार आदि थे.

भोजपुर (आरा)

बक्सर

हिन्दुस्तान पटना • मंगलवार • 29 नवम्बर 2011 04

किला मैदान में विकलांगों ने खेल महोत्सव के दौरान दिखाया जौहर

बक्सर | निज संवाददाता

किला मैदान में सोमवार को बढ़ते कदम मेले का आयोजन हुआ। इस दौरान विकलांग खेल महोत्सव भी आयोजित हुआ। महोत्सव का उद्घाटन सूबे की कला व संस्कृति मंत्री डा सुखदा पांडेय ने किया। डा पांडेय ने कहा कि सरकार विकलांगों के लिए खेल महोत्सव आयोजित कर उन्हें समाज की मुख्य धारा में लाना चाहती है।

मेले में जुटे विकलांगों ने प्रभातफेरी निकाली। इसके बाद ड्राइंग-पेंटिंग, गीत-संगीत और खेल-कूद प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। इसमें करीब दो सौ विकलांगों ने हिस्सा लिया।

जूनियर वर्ग सौ मीटर ट्राइसाइकिल रेस में भोला कुमार को प्रथम, सोनू यादव को द्वितीय और सुनीत चौधरी को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। वहीं सीनियर वर्ग व्हील चेयर रेस में दिलीप कुमार को प्रथम, भगवान कुमार को द्वितीय और गणेश पांडेय को तृतीय स्थान हासिल हुआ। दो सौ मीटर बैसाखी दौड़ में महेश पहले, जीतेंद्र दूसरे और शम्सुद्दीन तीसरे स्थान पर रहे।

दो सौ मीटर दौड़ के महिला वर्ग में उर्मिला देवी प्रथम, मजीरा देवी द्वितीय और रंजीनी कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं। सब जूनियर पचास मीटर व्हील चेयर रेस में भोला को प्रथम, राजू राय को द्वितीय और सुबोध को तृतीय स्थान हासिल हुआ।

मूक बधिर जूनियर गोला फेंक में श्याम चौधरी पहले, छोटू राम दूसरे और मुरारी चौधरी तीसरे स्थान पर रहे। मंद बुद्धि सब जूनियर वर्ग के गोला फेंक में ओमसागर को प्रथम, गोलू को द्वितीय और राहुल को तृतीय स्थान मिला। नेत्रहीन वर्ग में राजीव रंजन को प्रथम, कन्हैया लाल को दूसरा और राज कुमार को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। अस्थि विकलांगों की लंबी कूद जूनियर वर्ग में राजा बाबू पहले, विद्यासागर दूसरे और शिवसागर तीसरे स्थान पर रहे। सीनियर वर्ग भाला फेंक में विष्णु शर्मा को प्रथम, धर्मेंद्र राम को द्वितीय और श्री बाबू को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार दिया गया। इस दौरान संजय कुमार, जीतेंद्र कुमार, चंदन कुमार, सुगंध नारायण प्रसाद, लक्ष्मीकांत सहाय, विष्णु तिवारी, रंजीता कुमारी, रमेश चंद्र, पवन कुमार आदि लोग मौजूद रहे। इस मौके पर किला मैदान में मौजूद लोगों ने प्रतिभागियों की हौसला अफजाई की।

किला मैदान में आयोजित विकलांग खेल महोत्सव का उद्घाटन करती कला और संस्कृति मंत्री प्रो. सुखदा पाण्डेय व ट्राईसाइकिल रेस में भाग लेकर अपना दम दिखाते प्रतिभागी। • फोटो : हिन्दुस्तान

खेल महोत्सव

- कला और संस्कृति मंत्री ने किया महोत्सव का उद्घाटन
- कहा-संघर्ष की सफलता के लिए आपसी एकजुटता जरूरी

मोतिहारी

मोतिहारी में समर्पण द्वारा आयोजित सामाजिक जागरुकता कार्यक्रम में डा0 शिवाजी कुमार।

भागलपुर

सुपौल

सुपौल जिला इकाई द्वारा पैरालिंपिक कमिटी ऑफ बिहार से जुड़े कार्यक्रम

औरंगाबाद

औरंगाबाद जिला इकाई द्वारा खेलकूद से जुड़े कार्यक्रम का आयोजन

नालंदा

समर्पण की नालंदा जिला इकाई समाधान द्वारा हक मांगों रैली का आयोजन नालंदा में किया गया।

भभुआ

समर्पण की भभुआ जिला इकाई सेवा द्वारा स्पेशल ओलंपिक को लेकर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

पूर्वी चम्पारण

समर्पण की पूर्वी चम्पारण जिला इकाई सहारा द्वारा कम्यूनिटी कोच के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मुजफ्फरपुर

समर्पण की मुजफ्फरपुर जिला इकाई सफल द्वारा विहेवियर थेरेपी पर कायक्रम का आयोजन किया गया।

मुंगेर जिला

समर्पण के मुंगेर जिला इकाई में ग्रामिण क्षेत्रों में विकलांग अधिकार जनजागरुक कार्यक्रम।

नवादा जिला

समर्पण की नवादा जिला इकाई विकलांग सम्मान संस्थान मानसिक दिव्यांग बच्चों के लिए उत्प्रेरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

गया जिला

समर्पण की गया जिला इकाई बुद्धम् शरणम द्वारा सिटिंग बॉलीवाल का प्रतियोगिता का आयोजन गया में किया गया।

मधुबनी जिला

समर्पण की मधुबनी जिला इकाई संभव द्वारा मधुबनी में दिव्यांगों को लेकर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

दरभंगा जिला

गोदवारी सेवा आश्रम दरभंगा जुड़े से 136 दिव्यांग खिलाड़ी प्रशिक्षक को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बिहार सरकार द्वारा सम्मानित किया गया।

बक्सर जिला

समर्पण की बक्सर जिला इकाई समर्थन द्वारा दिव्यांगजन से संबंधित खेल और खिलाड़ियों के प्रति जागरुकता लाने के उद्देश्य से टॉर्च रन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

समर्पण से जुड़े दिव्यांगजनों की सक्सेस स्टोरी

सुन, बोल नहीं सकते तो क्या हुआ, हम हैं विजेता

इन आंखों में भी हैं सपने

लाइफ रिपोर्टर @ पटना

मानसी ने जब जन्म लिया था, तो हम काफी खुश थे, लेकिन बाद में मन उदास हो गया, जब डॉक्टर्स ने कहा कि वह न तो बोल सकती है और न ही सुन सकती है. उस वक्त लगा कि ऐसा क्यों हुआ? मैं टूटने लगा था, लेकिन मैंने फिर भी अपनी पत्नी को संभाला. उसे हौसला दिया. वह पांच साल तक बिस्तर पर पड़ी रही. उसकी हालत दिन-ब-दिन बिगड़ती जा रही थी. घर के सभी सदस्य मानसी की आस छोड़ चुके थे, लेकिन एक पैरेंट होने के नाते मैंने हार नहीं मानी. उसे डॉक्टर से दिखाते रहा. आज भले ही वो बोल और सुन नहीं पाती है, लेकिन उसने अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया से मेडल जीत कर सब का दिल जीत लिया है. उससे सभी लोग खुश रहते हैं. मुझे उसमें अब कोई कमी नहीं दिखायी देती. अपनी मूक-बधीर बेटी की कहानी बताते हुए पिता कृष्णकांत की आंखें भर आयी. उन्होंने कहा, मानसी ने खुद को साबित किया है, इसलिए अब मुझे और मेरी पत्नी को उसके जन्म से कोई अफसोस नहीं होता. मेरा मानना है कि हर इंसान कुछ कर सकता है, बस उसका हौसला बुलंद होना चाहिए. मानसी की तरह ही शहर में कई मूक-बधीर बच्चे हैं और उनके पैरेंट्स हैं, जो अपने बच्चों की इसी तरह दिल खोल कर तारीफ करते हैं. सभी का मानना है कि इन बच्चों में भी कुछ खास है. आज यानी 26 सितंबर को इंटरनेशनल डीफ डे है. इस मौके पर हम आपको शहर के उन बच्चों से मिलवा रहे हैं, जो सुन-बोल नहीं सकते.

वर्ल्ड डीफ डे

मोबाइल के मैसेज बने इनकी आवाज

इस हाइटेक जमाने में बच्चे कम उम्र में ही मोबाइल के आदी हो जाते हैं. उन्हें चैट करने से लेकर फोटो अपलोड करने की आदत हो जाती है. ऐसे में यह आदत न सिर्फ सामान्य बच्चों में है, बल्कि मूक-बधीर बच्चों में भी देखने को मिल रही है. हालांकि वे इसका इस्तेमाल मनोरंजन के लिए नहीं, बल्कि अपनी बात कहने के लिए करते हैं. ये बच्चे लोगों तक अपनी बात मैसेज या वॉट्सएप से पहुंचा रहे हैं. इतना ही नहीं, ये वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में अपने भाव और लिपसिंग दिखा कर बात भी करते हैं. ऐसे कई बच्चों समर्पण संस्था में भी देखने को मिले. यहां हर उम्र के बच्चे मौजूद हैं. यहां रहने वाले कई लोगों की उम्र भले ही 30 साल से ऊपर हो, लेकिन वे छोटे बच्चों के साथ बैठ कर पढ़ायी करते नजर आते हैं. यहां बच्चों को पढ़ा रहे टीचर्स ने बताया कि ये बच्चे सामान्य

उत्कर्ष लगा रहता है मोबाइल में

उत्कर्ष की कहानी भी इन्हीं लोगों से मिलती है. वह अपनी बातों को मोबाइल फोन से शेयर करता है. स्मार्ट फोन के जमाने में मोबाइल के सारे एप्स उसे पता है. वह अपने पैरेंट्स से मैसेज से ही बात कर लेता है. साथ ही अन्य बच्चों के साथ खेलने में भी वह माहिर है. इस बारे में उनके टीचर्स कहते हैं कि उत्कर्ष बहुत कम उम्र में ही बहुत आगे बढ़ गया है. वह हर चीज में माहिर है.

मानसी को अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया में मिल चुका है मेडल भी

कुछ करने की चाह हो, तो लोग अपनी राह खुद ब खुद बना लेते हैं. ऐसे में रास्तों में आयी परेशानी भी इन लोगों को ज्यादा तकलीफ नहीं देती. कुछ ऐसा ही देखने को मिला मानसी में, जिसने अपने टैलेंट के बल पर लोगों का दिल जीत लिया है. वह अपनी कमियों को काफी पीछे छोड़ चुकी है. मूक-बधीर कहलाने वाली मानसी को स्पोर्ट्स में बहुत तेज है. साथ ही पढ़ाई का भी शौक रखती है, इसलिए बिहार के अलावा वो अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया से मेडल जीत कर आ चुकी है. वह 50 मीटर दौड़ और 100 मीटर दौड़ में कई लोगों को पीछे छोड़ जीत चुकी है.

लिखने-पढ़ने में सबसे तेज है अमीषा

अमीषा को पढ़ना-लिखना बहुत पसंद है. वह इशारों-इशारों में ही समझ जाती है कि लोग उनके बारे में बात कर रहे हैं. इसलिए वह पहले ही लिख कर अपनी बात कह देती है. उसकी राइटिंग बहुत ही सुंदर है. टीचर्स कहते हैं कि वह क्लास में सबसे तेज है. आठवी क्लास मे पढ़ाई कर रही अमीषा को हिंदी और इंगलिश दोनों में लिखना आता है. इतना ही नहीं वह मैसेज कर के दोस्तों और परिवार के सदस्यों से मैसेज में हाल-चाल लेती है.

पढ़ते-पढ़ते अब बन गये ड्राइंग के टीचर

मूक-बधीर होना कोई अभिशाप नहीं होता. ये लोग भी आम इंसानों की तरह सोचते हैं. वे भी कुछ करने की तमन्ना रखते हैं. यह बात कंकड़बाग के सुनील कुमार को देख सही साबित होती है. क्योंकि वे बचपन से सुन और बोल नहीं सकते हैं. शुरू में उन्होंने बहुत परेशानियों का सामना किया है. पढ़ाई के साथ-साथ उन्हें पेंटिंग बनाने का भी शौक था. सालों मेहनत करने के बाद आज वे खुद टीचर के रूप में जाने जा रहे हैं. वह समर्पण संस्था में बच्चों को ड्रॉइंग सिखाते हैं. साथ ही खुद को फेसबुक और वॉट्सएप से अप टू डेट रखते हैं.

खेलने में आगे है अभिषेक

अभिषेक स्पोर्ट्स में बहुत तेज है. वह हर तरह के कंपीटीशन में भाग लेता है. किसी के भाव को देख कर ही वह बताने लगता है कि सामने वाला क्या सोच रहा है. इतना ही नहीं अभिषेक पढ़ाई में बहुत तेज है. इसलिए वह क्लास में हमेशा फर्स्ट आता है. साथ ही टीवी भी देखता है. वह लिख कर बताता है कि फिल्म की क्या कहानी है. वह न्यूज पेपर भी पढ़ता है और टीवी में न्यूज देख कर देश और दुनिया की खबर रखता है.

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

इन बच्चों की देख-भाल करना मुझे अच्छा लगता है. क्योंकि ऐसे बच्चों का सिक्स्थ सेंस अच्छा होता है. उन पर ध्यान दिया जाये, तो वह आम बच्चों से बेहतर करने का जज्बा रखते हैं. हमारे यहां कई बच्चे पढ़ने आते हैं इसलिए मैं उन्हें पढ़ाई के साथ-साथ कई तरह की एक्टीविटीज में भाग दिलाता हूं. यहां के कई बच्चों को नेशनल और इंटरनेशनल लेवल के मेडल भी मिल चुके हैं. ऐसे में टीचर्स के अलावा पैरेंट्स का भी पूरा सहयोग रहा है. इन बच्चों को कभी निराश नहीं करना चहिए. बस उन्हें समझने की क्षमता खुद में विकसित करनी चाहिए.

■ शिवाजी, निदेशक, समर्पण

क्या कहते हैं

हम अभिषेक के साथ हमेशा दोस्तों की तरह पेश आये. उसकी पसंद और नापसंद को पहले परखा. ऐसे में उसे भी समझने लगा कि वह क्या चा... वह थोड़ा जिद्दी है.

शुरू में जब अमीषा का जन्म हुआ था, तो उसकी कमी का सुन हम बहुत निराश हुए थे लेकिन अब जब उसके टैलेंट को देखता हूं, तो काफी खुशी होती है. ऐसा लगता है कि यह बच्चे

शुक्रवार • 11 अगस्त 2017

हिन्दुस्तान

27

इनसे सीखें

चल नहीं सकते पर तैराकी के लिए लिम्का बुक में दर्ज हो चुका है नाम

मो. शम्स आलम
इंटरनेशनल तैराक
रथौस, मधुबनी

किनारों से ये खुदा मुझको दूर ही रख, ले चल मुझे वहां, जहां तूफान उठते हैं...और सचमुच यह युवा तूफान से टकराने और उससे निकलकर लक्ष्य हासिल करने की की हिम्मत रखता है। जिंदगी के तमाम झंझावातों को झेलते हुए आज यह युवा इंटरनेशनल खिलाड़ी बन चुका है। खास बात यह है कि वह खड़ा भी नहीं हो सकता। व्हील चेयर के सहारे चलता है, मगर समुद्र में तैराकी करता है। उसका नाम लिम्का बुक में दर्ज हो चुका है। दर्जनों सिल्वर और गोल्ड मेडल मिल चुके हैं। बात मो. शम्स आलम की हो रही है यानी एक ऐसे बिहारी सपूत की जो अपने आत्मविश्वास के बल पर एक के बाद रिकॉर्ड बना रहा है।

बचपन में ही मां-बाप से दूर : शम्स आलम 30 वर्ष के हैं। मधुबनी के रथौस गांव के हैं। ये कहते हैं कि हम बहुत साधारण परिवार के हैं। मेरे पिता बटाई पर खेती करते थे। अब बुजुर्ग हो गये हैं। बड़े भाई घर चला रहे हैं। संघर्ष कर रहे हैं। घर की किस्मत बदलने के लिए बड़े भइया घर छोड़कर मुंबई पहुंच गए। तब मैं छह साल का था। एक दिन अब्बा ने मुझे भी मुंबई भेज दिया। बड़े भइया मुंबई में बैग बनाते थे और मैं सरकारी स्कूल में पढ़ने जाता था। घर की याद आती थी और मैं रोता था। लेकिन पढ़ाई में मेहनत करता गया। आखिरकार मुंबई यूनिवर्सिटी से मैंने इंजीनियरिंग कर ली। इसके कुछ ही दिन बाद रीढ़ के ऑपरेशन के बाद मेरी जिंदगी में अंधेरा छा गया।

खूब रोया और आगे बढ़ा : शम्स कहते हैं कि रीढ़ के ऑपरेशन के बाद व्हील चेयर मेरा साथी बना और मैं रात-दिन रोते रहता था। घर की किस्मत बदलने का सपना पलभर में बिखरता नजर आया। मैं कराटे का चैंपियन खिलाड़ी था। 2000 से 2010 तक मैं स्कूल, जिला, स्टेट, नेशनल का मेडल जीतता रहा। 54 मेडल मेरी झोली में थे। लेकिन मैं दिव्यांग बन चुका था।

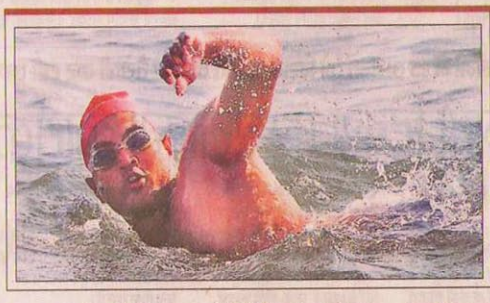

एशियन पारा गेम्स की कर रहे हैं तैयारी

आखिरकार 2016 लिम्का बुक में मेरा नाम एक ऐसे दिव्यांग खिलाड़ी के रूप में जुड़ गया जो लगातार एक घंटा 40 मिनट 28 सेकेंड में 6 किलोमीटर समुद्र में तैराकी किया। मार्च 2017 में अपना ही रिकॉर्ड मैंने तोड़ा और गोवा के समुद्र में 8 किलोमीटर तक तैर गया। वर्ल्ड रिकॉर्ड एकेडमी में यह भी दर्ज हो गया है। अब तक 9 नेशनल गोल्ड और एक इंटरनेशनल कांस्य पदक जीत चुका हूं। फिलहाल एशियन पारा गेम्स 2018 की तैयारी में हूं। अभी नेशनल रग्बी चैम्पियनशिप में बिहार टीम का कैप्टन हूं। बस आखिर में कहूंगा, जज्बे से जीत मिलती है। बाधाएं तो हारने के लिए ही होती हैं।

आत्मविश्वास से जीतना शुरू किया

शम्स कहते हैं अगर जिंदगी में जीतना है तो अपने आत्मविश्वास को बढ़ाइए। दुनिया में कुछ भी असंभव नहीं है। बस यह सोचकर चलिए कि मुझे जीत मिलेगी। ऑपरेशन के कुछ दिन मैं एक रिहैब सेंटर में रहने लगा। वहीं पर मुझे एक दिन इंटरनेशनल दिव्यांग तैराक राज राम घाघ और सत्यप्रकाश तिवारी मिले। उनकी सलाह पर मैं भी पारा तैराकी करने चल पड़ा। गांव में जब साढ़े चार साल का था तब घर के पास के पोखर में तैरकर पार कर जाता था और बड़े लोग देखते रह जाते थे। वही जोश फिर जागा। मैंने तैरने का अभ्यास शुरू किया। फिर तैराकी प्रतियोगिता में शामिल होने लगा। रिकॉर्ड बनने लगा।

पटना,3 दिसम्बर 2016

दिव्यांगता के कारण बचपन से शिक्षा-दीक्षा में कठिनाई आई। स्कूल व कॉलेज जाने में परेशानी होने के बावजूद कभी मिस नहीं किया।

दिव्यांग -आशीष कुमार वर्मा

आशीष के जज्बे ने दिव्यांगता को दी मात

नलिनी रंजन, पटना

लहरों से डर नौका पार नहीं होती, हिम्मत करने वाले की कभी हार नहीं होती ... । हरिवंश राय बच्चन ने यह पंक्ति आशीष कुमार वर्मा जैसे लोगों को देखकर ही लिखी होगी। पटना में डाक विभाग से सेवानिवृत्त सतीश चंद्र प्रसाद के दूसरे पुत्र आशीष ने कभी दिव्यांगता को अपनी कमजोरी नहीं माना। इसी का परिणाम है कि वह 2011 में सिविल सेवा की परीक्षा उत्तीर्ण कर भारतीय रक्षा सेवा के लिए चयनित हुए। वर्तमान में पटना में सहायक रक्षा लेखा नियंत्रक के रूप में कार्यरत है। मैट्रिक पंचशील उच्च विद्यालय कुम्हरार से करने के बाद, 2008 में पटना कॉलेज से इंटर की पढ़ाई की। फिर पटना विश्वविद्यालय से ही स्नातक एवं पीजी किया। 2008 में यूजीसी नेट किया।

आशीष ने बताया कि दिव्यांगता कोई खास विशेषण नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक पद्धति है। व्यक्ति इससे निम्न या कमतर नहीं हो सकता। बचपन से ही मेधावी रहे आशीष को कठिन समय में परिजनों का खूब साथ मिला। इसमें मां नीलम सिन्हा, पिता सतीश चंद्र प्रसाद एवं चाचा दिलीप कुमार का खास सहयोग मिला। उन्होंने बताया कि दिव्यांगता के कारण बचपन से शिक्षा-दीक्षा में कठिनाई आई। स्कूल व कॉलेज जाने में परेशानी होने के बावजूद कभी इसे मिस नहीं किया। मैट्रिक में पूरे राज्य में 8वां स्थान, स्नातक में विवि में दूसरा एवं पीजी में पहला स्थान हासिल किया।

सेलेब्रल पाल्सी का पहला चयन

आशीष ने बताया कि सिविल सेवा के इतिहास में सेलेब्रल पाल्सी (प्रमस्तिष्क पक्षाघात) व्यक्ति के रूप में उनका चयन पहला है। उन्होंने बताया कि सरकार को भी कुछ ऐसे कानून बनाने चाहिए एवं समाज को भी इस तरह का परिवेश निर्मित करना चाहिए, जिसमें दिव्यांग लोगों का जीवन अधिक सहज हो सके।

लाइफ@पटना

पटना, बुधवार 6.07.2016

14

प्रतिभा. मधुबनी पेंटिंग से नाम कमा रहीं दिव्यांग ममता

पैरों से अशक्त, मन से सशक्त

दानापुर में रहनेवाली ममता भारती शरीर से जितनी दिव्यांग हैं, मन से उतनी ही ठोस. उनके लिए सब कुछ उनके माता-पिता हैं. उन्होंने शादी इसलिए नहीं की, क्योंकि वह किसी पर शारीरिक बोझ बनना नहीं चाहती हैं. अपनी मनभावन पेंटिंग से समाज के लिए प्रेरणा हैं ममता.

राजेश ठाकुर ▸ पटना

पैरों से दिव्यांग दानापुर की ममता भारती मधुबनी पेंटिंग के क्षेत्र में अपना खास मुकाम बना रही हैं. अपनी बेहतरीन पेंटिंग से उन्होंने कई अवॉर्ड हासिल किये हैं. मधुबनी पेंटिंग के अलावा ममता को टिकुली आर्ट, ऑयल पेंटिंग, इंब्रॉयडरी, मंजूषा आर्ट, हैंड मेड क्राफ्ट आदि में भी अपनी विशेष पहचान बना रही हैं. पेंटिंग में ममता का हाथ इतना सधा है कि पेंटिंग पर उनकी कलाकारी देखते ही बनती है. पटना ही नहीं, देश के कई शहरों और राज्यों जैसे दिल्ली, कोलकाता, गुजरात और झारखंड आदि राज्यों में भी उनकी प्रदर्शनी लग चुकी है. सोलो हो या ग्रुप एग्जिबिशन, उनकी चित्रकारी की प्रशंसा करते लोग थकते नहीं हैं. उनकी पेंटिंग में भारत मां की

ममता अन्य दिव्यांग युवतियों का भी बढ़ाती हैं हौसला

टॉप 100 में नाम आने पर हुई खुशी

ममता कहती हैं कि मेहनत के बाद सफलता मिलने पर मन कितना प्रसन्न हो जाता है, इसका शब्दों में बयां नहीं कर सकती. दिल्ली में मधुबनी पेंटिंग का ग्रुप एक्जिबिशन लगा था, उसमें मैं भी शामिल हुई थी. मेरी पेंटिंग रासलीला पर थी. इसमें भगवान कृष्ण और राधा संग अन्य गोपिकाओं की रास को दिखाया गया था. मुझे खुशी है कि यह पेंटिंग चार हजार कलाकारों के बीच टॉप 100 में शामिल हुई. इसके लिए मुझे अवॉर्ड भी दिया गया.

निजी स्कूल में प्राध्यापिका हैं ममता

प्राइवेट स्कूल में टीचर ममता भले ही पैरों से दिव्यांग है, लेकिन दिमाग और मन मस्तिष्क से उतनी ही ठोस. कैनवास पर जब उनकी कूची दौड़ती है, तो देखनेवाले दंग रह जाते हैं. शुरू में उन्हें काफी तकलीफों का सामना करना पड़ा, लेकिन बाद में समाज में मेरी काबिलियत को लोगों ने पहचाना और उसे मान दिया. आगे बढ़ने के लिए मेरी हौसलाअफजाई की. इससे मेरे अंदर आत्मविश्वास का संचार हुआ. आज मुझे सम्मानित किया जा रहा है.

समस्याओं को दूर करने के लिए खुद लड़ना है

ममता कहती हैं कि हर इनसान को अपनी जीवन की समस्याओं से खुद लड़ना पड़ता है. मेरे जैसी कई लड़कियां समस्याओं को लेकर मेरे पास आती हैं, तो मैं उन्हें बस रास्ता दिखा देती हूं. वे अपने दम पर उसे आगे बढ़ती हैं. अगर यूं कहें कि अपना अनुभव ही इसमें काम आता है. समाज सेवा मुझे नहीं पता क्या होता है, मुझे इतना ही आता है कि सामनेवाले को सिर्फ मदद करते रहना चाहिए. जिस तरह से लोग मदद करते हैं, उसी प्रकार मैं भी सबकी मदद करती हूं. मुझे मेरे दोनों छोटे भाइयों का भी भरपूर साथ मिल रहा है. कभी-कभी मुझे लगता है कि मैं यह काम नहीं कर सकती, तब मां कहती है कि तू सब कर सकती है, बस हौसला रख. धैर्य रखने से कभी भी समस्या नहीं आती. इसलिए हमेशा हिम्मत रखना चाहिए.

देशभक्ति से लेकर मां की ममता दिखती है पेंटिंग में

पांच साल की उम्र में पोलियो की शिकार ममता जब पांच साल की थी, तो उन्हें पोलियो ने चपेट में ले लिया. ममता कहती हैं कि मेरे माता-पिता ने काफी इलाज कराया, लेकिन मैं पूरी तरह ठीक नहीं हो सकी. गांव में रहने के कारण इलाज में भी काफी वक्त लग गया. शहर जैसी हाइटेक इलाज नहीं हो पाया. इसकी वजह से पैर पूरी तरह से ठीक नहीं हो पाया. इसके बाद भी मैंने खुद को टूटने नहीं दिया.

माता-पिता ने बढ़ाया हौसला

मां-पिताजी कहते हैं कि परिस्थिति चाहे जैसी भी हो, इनसान को हमेशा आगे की सोचना चाहिए, एक दिन मंजिल जरूर मिलेगी. मैं आज जिस मुकाम पर हूं, इसमें उनका अप्रतिम सहयोग है.

नागकन्या से लेकर भारत मां तक की पेंटिंग

ममता कहती हैं कि मेरी पेंटिंग में भारत मां से लेकर नाग कन्या, रासलीला, प्रकृति प्रेम, भक्ति धारा, मातृभूमि तक देखने को मिलेगी. खास कर नारी सशक्तिकरण पर ज्यादा फोकस होता है. हर पेंटिंग कुछ-न-कुछ पॉजिटिव संदेश देती है. मैंने अपनी एक पेंटिंग में नाग कन्या को वायलिन बजाते हुए दिखाया है. इसमें यह संदेश छिपा है कि जानवरों से यदि हम प्रेम करें, तो वे स्वतंत्र होकर धरती पर विचरण कर सकते हैं. वहीं इससे यह भी संदेश जाता है कि महिलाओं को भी आजादी मिले, तो वे भी नाग कन्या की तरह खुश रह सकती हैं. कुछ इसी तरह मैंने एक पेंटिंग में मछलियों का संसार दिखा कर मैसेज दिया है कि यदि लोगों में ईर्ष्या-द्वेष मिट जाये, तो लोग भी इसी तरह बिंदास होकर पूरे संसार में घूमेंगे.

प्रभात खबर www.prabhatkhabar.com सिटी लाइफ पटना, मंगलवार 02.12.2014 18

इन बच्चों की फैंसी ड्रेस के आगे सभी कमजोर दिखे

नि:शक्त बच्चों के लिए फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता

लाइफ रिपोर्टर @ पटना

विश्व विकलांगता दिवस की पूर्व संध्या पर निःशक्त बच्चों के 'फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम को 'समर्पण' संस्था की तरफ से किया गया था. इससे पहले कार्यक्रम का उद्घाटन चाइल्ड कंसर्न के डॉक्टर विनोद भांति ने किया. इस मौके पर प्रोफेसर (डॉक्टर) श्याम कृष्ण (पूर्व प्राचार्य, कॉमर्स कॉलेज), सुगंध नारायण प्रसाद (सचिव, बिहार विकलांग छात्र संघ), लक्ष्मीकांत कुमार (एकेडमिक प्रभारी, समर्पण) के साथ कई अन्य समाजसेवी और लोग मौजूद थे.

इस प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे बच्चों ने अपनी प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया. इन बच्चों में विकास पांडे (भगवान शंकर), संदीप कुमार (कृष्ण), अभिषेक राज (मीराबाई), मो.सदान (डॉक्टर), नूरी (राधा), शुभम सिन्हा (सब्जीवाला), अदान (राम), जैदान (सुदामा), शिवानी (डांसर), अमिषा प्रकाश (परी), निशा कुमारी (सीता), प्रतीक झा (डॉक्टर), गोपाल (राजकुमार), जय (हीरो), संजय (हवलदार), सक्षम (सिपाही) और अभिजीत ने नेता बन कर वहां मौजूद लोगों की खूब शाबाशी लूटी. लड़कों के वर्ग में विकास पांडे को स्वर्ण और सुदीप को रजत एवं प्रतीक को कांस्य जबकि लड़की वर्ग में नूरी को स्वर्ण, शिवानी को रजत व निशा को कांस्य पदक से नवाजा गया.

नि:शक्त बच्चों ने अलग-अलग आकर्षक परिधान पहन कर 'फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता' में लिया हिस्सा.

दैनिक जागरण पटना, 1 म

थिरके कदम — सिन्हा लाइब्रेरी में 'विहान' संस्था की ओर से फैशन शो का आयोजन

दिव्यांगों ने बताया, हम किसी से कम नहीं

विहान संस्था द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में हिस्सा लेते युवा व संगीत प्रस्तुत करता दिव्यांग कलाकार । • जागरण

दिव्यांग बच्चों के लिए 'विहान' संस्था ने फैशन शो का आयोजन किया। सिन्हा लाइब्रेरी में आयोजित कार्यक्रम में मंगलवार को दिव्यांग बच्चों ने अपनी कलाओं सभी का मन मोह लिया।

प्रतियोगिता में मानसिक रूप से कमजोर बच्चों के लिए भी नृत्य, संगीत के साथ फैशन शो आयोजित किए गए। इसमें बच्चों ने एक से बढ़कर एक गीतों की तान छेड़कर सभी को अचंभित कर

150 बच्चों ने कराया पंजीकरण

बिहार दिवस के दिन घोषित किए जाएंगे परिणाम

ने बताया कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य समाज से अपनी कमियों के कारण कटे हुए बच्चों बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम में शिरकत करने से बच्चों के हौसले बढ़ेंगे। कार्यक्रम की शुरुआत मनेश्वर चौधरी ने दीप प्रज्वलित

आज के समय में आगे बढ़ रहे हैं। सरकार भी उनके मदद में हर संभव प्रयास कर रही है। ताकि वे अपना हक ले सकें। दिव्यांगों की पढ़ाई के लिए भी व्यवस्था की गई है। विज्ञान भी दिव्यांगों के लिए मददगार साबित हो रहा है। इसे अपनाकर वे अपनी मर्जी के क्षेत्रों में आगे बढ़ सकते हैं। घर बैठे ऑनलाइन इस तरह की सुविधाओं का लाभ उठाया जा सकता है। इस दौरान सतीश कुमार सिंह, पीके सिंह गणेश प्रसाद सिंह, केएन राय

12 बच्चों का किया जाएगा चयन

इस प्रतियोगिता का फाइनल (23, 24 मार्च) बिहार दिवस के दौरान होगा। इस दौरान बच्चे अपनी प्रतिभा पूरी राजधानी के सामने पेश करेंगे। इस प्रतियोगिता के लिए 150 बच्चों ने अपना पंजीकरण कराया है। इसमें से मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में 12 बच्चों को चुना गया। 'विहान' संस्था दिल्ली में कई बार ऐसे शो का आयोजन कर

अपने साहस के दम पर नि:शक्त लीजा ने पाया सम्मान

सामाजिक कार्यों के लिए मिला वीमेन ऑफ द इयर अवार्ड

लाइफ रिपोर्टर @ पटना

मन में लगन और इच्छा शक्ति हो तो वह किसी भी तरह की शारीरिक कमी को ओवरकम कर सफलता की राह पर ले जाता है. लीजा ने भी अपने साहस के दम पर समाज में अपनी जगह बनायी और वीमेन ऑफ द इयर का अवॉर्ड पाया. बीते 28 अगस्त को ही लीजा को उनके निःस्वार्थ सामाजिक कार्यों के लिए राज्य सरकार द्वारा सम्मानित किया गया है. लीजा कहती हैं कि शारीरिक निःशक्तता उन्हें आगे बढ़ने से कभी रोक नहीं पायी. एक डिसएबल व्यक्ति को घर और समाज में बाकी लोगों के समान नहीं माना जाता. समाज की यह सोच उन लोगों को जीने नहीं देती है. पर लीजा की फैमिली ने उन्हें बचपन से ही एक आम लड़की की तरह ही पाल-पोस कर बड़ा किया. घर के सारे काम सिखाये, जो एक आम लड़की कर सकती है और बाहर की दुनिया में आगे बढ़ने के लिए मुझे तैयार किया.

जेडी वीमेंस कॉलेज की छात्रा

वीमेन ऑफ द इयर से नवाजी जा चुकी लीजा जेडी वीमेंस कॉलेज की पीजी की छात्रा रह चुकी हैं. उन्होंने म्यूजिक से एमए किया है. कॉलेज को भी लीजा पर काफी गर्व है, उन्हें सरकार द्वारा सम्मानित किया गया. लीजा की स्कूलिंग होली मिशन स्कूल से हुई है.

एनजीओ की फाउंडर व एमडी

लीजा ने सोशल वर्क की शुरुआत चाइल्ड राइट से की थी. 2007 से ही खगड़िया में चाइल्ड राइट्स पर काम करते हुए उन्होंने वीमेन राइट्स पर भी काम किया. 2011 में उन्होंने वेव संस्थान से डॉक्यूमेंटरी मेकिंग, रेडियो जर्नलिज्म आदि की ट्रेनिंग ली और लगातार कार्य करती रही और बिहार को अकेले रिप्रेजेंट भी किया. लीजा कहती हैं कि काम के दौरान उन्हें एहसास हुआ कि निःशक्त व्यक्ति के लिए कोई काम नहीं करता है, कोई उनके अधिकारों के लिए नहीं लड़ता. चैरिटी से किसी डिसएबल की जिंदगी नहीं चल सकती है. ऐसे लोगों को खुद आगे बढ़ना होगा और खुद के लिए काम करना होगा. इस सोच के साथ मैंने एक एनजीओ खोला- इंडिया फाउंडेशन. यह एनजीओ अब नेशनल लेवल पर वर्क कर रही है. यह एनजीओ देश के 21 राज्यों में काम करता है. लीजा इस एनजीओ की फाउंडर और एमडी हैं. लीजा ने बताया कि वह डिसएबल फ्रेंडली समाज बनाने के लिए एक कैंपेन शुरू करना चाहती हैं ताकि ऐसे लोगों को कोई दिक्कत न हो.

विकलांग होने के बावजूद हौंसले बरकरार

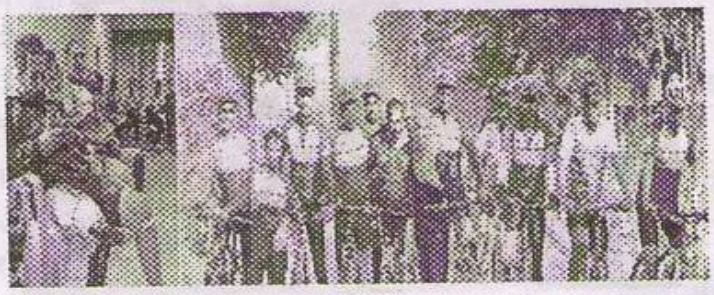

लुधियाना। देश की रक्षा की खातिर अकसर वक्त बेवक्त अपने जिस्मानी अंग खो जाने के बावजूद हौसलों की उड़ान उडने के लिए जांबाज जवानों ने जीने की खातिर धैर्य बना रखा रखा है। हम अभी टूटे नहीं और ना ही किसी के आगे झुके है। इसी जिंदादिली का संदेश देने के लिए भारत-पाकिस्तान सरहदी क्षेत्र अटारी बार्डर से नई दिल्ली तक जांबाज जवानों ने साइकिल यात्रा निकाली और इस यात्रा में 28 के करीब अलग-अलग फोरसिस से जुड़े जवान जिनमें अधिकांश बीएसएफ, सीआरपीएफ और आईटीबीपी के दिवयांग खिलाडियों को उनका आत्म विश्वास दिलाने की खातिर बीएसएफ के कई अधिकारी और जवान लुधियाना के सर्कट हाउस में सुस्वागत के लिए जुटे थे। आदित्य मेहता फाउंडेशन की बीएसएफ गलेडस राइटस के दौरान खूबी यह दिखी कि जहां बार्डर पर तैनात जवान देश की रक्षा करते भले ही अपना हाथ-पांव गंवा चुके है लेकिन उनके हौसले आज भी बरकरार है। इसी यात्रा में 15 के करीब पैरासाइकिलिस्ट शामिल थे। लिम्बा बुक आफ रिकार्डस में दिव्यांगों की जिंदगी को बेहतर बनाने में अपना योगदान देने वाले आदित्य मेहता का नाम दर्ज है जिसने करीब 10 साल पहले अपना एक हादसे में पैर गंवाया था। आदित्य के मुताबिक इस हादसे उपरांत उसकी जिंदगी ठहर सी गई थी। दो साल तक ना तो उसने कोई काम किया और ना ही उसका शरीर उसे इजाजत देता था। धीरे-धीरे उसने रिर्सच की, स्वीमिंग करनी सीखी और फिर अपने जैसे दूसरों के सपनों को पूरा करने का सपना संजो डाला और फाउंडेशन के जरिए उसने जवानों और दिव्यांग लोगों को ट्रेंड करके इंटरनैशनल स्पोर्टस प्रतियोगिता से जोड़ा और कई गोल्ड, सिलवर मैडल जीते। बीएसएफ के एक अन्य जवान ने बताया कि तीन साल पहले उसने अपने बटालियन के किसी साथी को ट्रेन की चपेट में आने से बचाया था। इस हादसे में उसके साथी को खरोच नहीं आई लेकिन उसे अपना पैर खोकर भरपाई करनी पड़ी। पैर खोने के बावजूद वह साइकिल यात्रा से पूरे हौसले के साथ अपने अन्य साथियों को उम्मीदों व सपनों को बयां करते साथ-साथ चल रहा है जबकि दूसरी तरफ देश की रक्षा में तैनात किसी बीएसएफ के जवान ने पैट्रोलिंग में अपना पैर खोया तो किसी ने अपना बाजू छिनवाया।

हिन्दुस्तान गुरुवार, 20 नवम्बर, 2008, मुजफ्फरपुर

विकलांग होकर भी बनी तेज गेंदबाज

संजय लाला दरभंगा

इंटेलेक्च्यूल डिसेबिलिटी से पीड़ित दिल्ली के मासूम स्पेशल स्कूल की सातवीं कक्षा की छात्रा शबाना स्पष्ट रूप से बोल और सुन नहीं पाती है लेकिन क्रिकेट फिल्ड में उसकी तेज रफ्तार की गेंद आग उगलती है। मुंबई में पिछले वर्ष विकलांगों के लिए हुए एशिया कप क्रिकेट प्रतियोगिता में शबाना की दनदनाती गेंदों ने श्रीलंका, बंगलादेश आदि के खिलाड़ियों के छक्के छुड़ा दिए। गुमनामी की जिंदगी जीने वाली शबाना को मैदान में उतरने के बाद पहली बार लगा कि विकलांग होने के बावजूद उसमें ऊंचाइयां छूने की कूवत है। पुरानी दिल्ली की छोटी-सी बस्ती में रहने वाले उसके पिता शरीफन अपनी बेटी की परेशानी देख हमेशा दुखी रहते। उसका दिल बहलाने के लिए उन्होंने उसे स्कूल भेजना शुरू किया जहां शबाना पर राष्ट्रीय प्रशिक्षक सुलेखा राणा की नजर पड़ी। शबाना की प्रतिभा देख सुलेखा ने उसके माता-पिता से उसे क्रिकेट और बॉची सिखाने की इजाजत मांगी फिर शबाना ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। शबाना को अब उसके माता-पिता का भी भरपूर प्रोत्साहन मिल रहा है। प्रशिक्षक सुलेखा राणा भी मानती हैं कि दमखम और इच्छाशक्ति की बदौलत शबाना एक दिन अपनी मंजिल जरूर हासिल कर लेगी। बुधवार को शबाना ने अन्य खिलाड़ियों के साथ विश्वविद्यालय मैदान में विकलांगों के लिए एथेन्स में वर्ष 2011 में होने वाले खेलों की तैयारी में जमकर पसीना बहाया।

आज
पटना, बुधवार, १३ जुलाई, २०११

मानसिक विकलांग फिर भी मेडलों की भरमार

सुधीर कुमार

पटना। हौसले के आगे जीत होती है। यदि दिल में जज्बा-जूनून हो और मन में कुछ करने की चाहत हो तो सफलता आपके कदमों में होती है। जी हां हम बात कर रहे हैं २७ वर्षीय बाबर अरफात का जो महज नौ माह की उम्र में ब्रेन सिस्ट से पीड़ित होने के बावजूद खेल को अपना कैरियर बनाया।

वर्ष २००२ की बात है जब बाबर मोइनुल हक स्टेडियम में चल रहे स्पेशल ओलम्पिक देखने पहुंचा। उसी दिन से दिल में खेल की भावना जगी। वह महज कुछ माह बाद ही मोइनुल हक स्टेडियम में विकलांग नेशनल गेम शिविर में भाग लिया। मां-बाप का इकलौता पुत्र बाबर का चयन २००३ में आयरलैंड में होने वाली स्पेशल ओलम्पिक वर्ल्ड गेम के लिए हुआ। उसने डिसकस थ्रो और १०० मीटर वाक में एक-एक कांस्य पदक भारत को दिलाया। इस दौरान बाबर की प्रतिभा देख दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति नेलसन मंडेला उसकी काफी तारीफ की। भारतीय टीम जब दिल्ली पहुंची तो तत्कालीन पेट्रोलियम मंत्री राम नाइक ने टीम को सम्मानित किया। बाबर को मंत्री ने ५०,००० रुपये का चेक देकर सम्मानित किया। समर्पण स्कूल से ८वीं तक पढ़ाई करने वाले बाबर पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम से भी मिल चुका है। पटना पहुंचने पर पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने मुख्यमंत्री आवास पर उसे बुलाकर सम्मानित किया। श्री प्रसाद ने बाबर को ५१,००० रुपये का चेक भेंट किया। उसके बाद बाबर बिहार का हीरो बनकर उभरा। बाबर अभी तक दो अंतरराष्ट्रीय स्तर, आठ राष्ट्रीय स्तर के और लगभग एक दर्जन जिला स्तर पर पदक जिते। इस दौरान उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी, जनार्दन प्रसाद सिग्रिवाल, डा. अखिलेश्वर सिंह, शिवानंद तिवारी से सम्मानित हुआ। बाबर बिहार का पहला खिलाड़ी है जो ओलम्पिक में बिहार को दो पदक दिलाया। स्पेशल ओलम्पिक में उसने २००२ में नयी दिल्ली में हुयी स्पेशल ओलम्पिक भारत में एक स्वर्ण जीता।

पटना और मुजफ्फरपुर में २००२ में हुई स्पेशल ओलम्पिक में भी उसने दो सोना जीता। उसके बाद दिमागी बुखार के कारण तीन साल कोई इवेंट्स खेल नहीं सका। उसने पुनः गेम में लौटते हुये बंगलोर में आयोजित ९वीं नेशनल अथलेटिक्स चैम्पियनशिप के शाट पुट इवेंट्स में गोल्ड जीता। पटना में २००७ नेशनल गेम में फुटबाल में चैम्पियन बना। तैराकी में कांस्य पदक मिला। २००८ में फरीदाबाद में १०वीं सीनियर नेशनल अथलेटिक्स चैम्पियनशिप में एक गोल्ड और एक कांस्य मिला। जयपुर में इसी गेम में (२००९) बिहार को एक सोना और एक चांदी दिलाया। २०१० में कला, संस्कृति एवं युवा विभाग बिहार सरकार द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीता। बीमार होने के कारण पिछले माह एथेंस में आयोजित स्पेशल ओलम्पिक में भाग नहीं ले सका।

पटना के स्टेशन रोड के मूल निवासी बाबर के पिता मो. अख्तर आलम कहते हैं मानसिक विकलांग होने पर कुछ लोग समाज में कहते हैं कि विकलांग खिलाड़ी को छिपाकर ही रखना चाहिए, लेकिन मेरा कहना है कि समाज में प्रतिभा को छुपा कर नहीं रखना चाहिए बल्कि प्रतिभा को और पंख देना चाहिए ताकि वो आसमान को छुए। पेशे से इलेक्ट्रिक कांट्रेक्टर श्री आलम कहते हैं कि बाबर को बुखार की वजह से प्रत्येक माह दवा में पांच हजार रुपये खर्च पड़ते हैं। बाबर की मां फरहा बानो कहती है बाबर का बिहार सरकार ने 6 अगस्त २०१० को नौकरी के लिए कौंसेलिंग किया है यदि नौकरी मिल जाये तो खुशी होगी।

INCREDIBLE... शिवाजी कुमार | यूएनओ सहित 44 देशों में अक्षम बच्चों की आवाज बुलंद कर चुके हैं

प्रदेश में स्पेशल बच्चों के सपनों में भर रहे रंग

अमलेन्दु अस्थाना

शादी के बाद पत्नी बनी हमसफर

समर्पण की 37 जिलों में शाखा

मुजफ्फरपुर/पटना, सोमवार, 3 दिसम्बर, 2007

हिन्दुस्तान

विश्व विकलांग दिवस पर विशेष

मानसिक विकलांगता एक ऐसी दशा है जिसके कारण बच्चे का शारीरिक एवं मानसिक विकास बहुत धीमा हो जाता है। कुछ बच्चे सामान्य बच्चों की तुलना में काफी धीमे बढ़ते हैं। एक पांच साल का मंदबुद्धि बच्चा खाने-पीने, टहलने, बोलने में तीन वर्ष के सामान्य बच्चे की भांति हो सकता है या फिर एक साल या इससे भी छोटे बच्चे की भांति व्यवहार करता है। किसी भी मंदबुद्धि बच्चों को जल्दी से जल्दी दिया गया प्रशिक्षण उनके जीवन विकास में सहायक होता है।

मानसिक विकलांगता बीमारी नहीं

किसी भी दम्पति के घर में जब कोई बच्चा जन्म लेता है तो खुशियों का माहौल रहता है। [illegible] मानसिक विकलांगता एक ऐसी दशा है जिसके कारण बच्चे का शारीरिक एवं मानसिक विकास बहुत धीमा हो जाता है। [illegible]

मंदबुद्धि एक मानसिक बीमारी नहीं है। [illegible]

मंदबुद्धि के प्रकार

[illegible]

मंदबुद्धि के कारण

[illegible]

[illegible]

प्रसव के दौरान

[illegible]

प्रसव के बाद

[illegible]

शिवाजी कुमार, मंद बुद्धि विशेषज्ञ

i next, Patna, 29 August 2014

Honor to special players

patna@inext.co.in

स्पेशल ओलंपिक में प्रतिभाशाली प्लेयर्स को स्काडा बिजनेस सेंटर में सम्मानित किया गया. इसका आयोजन समर्पण, चाइल्ड कंसर्न, बिहार विकलांग खेल अकादमी और पैराओलंपिक कमेटी ऑफ बिहार सहित कई खेल एसोसिएशन ने किया. स्पेशल ओलंपिक, बिहार के रीजनल डायरेक्टर डॉ शिवाजी कुमार ने बताया कि इसमें 72 प्लेयर्स को सम्मानित किया गया. गर्व की बात है कि बिहार के 14 प्लेयर्स का सेलेक्शन लॉस एंजिल्स, यूएसए में होने वाले इंटरनेशनल स्पेशल ओलंपिक में पार्टिसिपेट करेंगे. ऐसे प्लेयर्स किसी न किसी फिजिकल चैलेंज को झेल रहे हैं. खेल में उनका उत्साह बढ़ाने के लिए हम सभी को सामने आना चाहिए. अगर इन्हें ट्रेनिंग ठीक से मिले तो ये सभी और अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं.

अपने साहस के दम पर नि:शक्त लीजा ने पाया सम्मान

सामाजिक कार्यों के लिए मिला वीमेन ऑफ द इयर अवार्ड

लाइफ रिपोर्टर @ पटना

मन में लगन और इच्छा शक्ति हो तो वह किसी भी तरह की शारीरिक कमी को ओवरकम कर सफलता की राह पर ले जाता है. लीजा ने भी अपने साहस के दम पर समाज में अपनी जगह बनायी और वीमेन ऑफ द इयर का अवॉर्ड पाया. बीते 28 अगस्त को ही लीजा को उनके निःस्वार्थ सामाजिक कार्यों के लिए राज्य सरकार द्वारा सम्मानित किया गया है. लीजा कहती हैं कि शारीरिक निःशक्तता उन्हें आगे बढ़ने से कभी रोक नहीं पायी. एक डिसएबल व्यक्ति को घर और समाज में बाकी लोगों के समान नहीं माना जाता. समाज की यह सोच उन लोगों को जीने नहीं देती है. पर लीजा की फैमिली ने उन्हें बचपन से ही एक आम लड़की की तरह ही पाल-पोस कर बड़ा किया. घर के सारे काम सिखाये, जो एक आम लड़की कर सकती है और बाहर की दुनिया में आगे बढ़ने के लिए मुझे तैयार किया.

जेडी वीमेंस कॉलेज की छात्रा

वीमेन ऑफ द इयर से नवाजी जा चुकी लीजा जेडी वीमेंस कॉलेज की पीजी की छात्रा रह चुकी हैं. उन्होंने म्यूजिक से एमए किया है. कॉलेज को भी लीजा पर काफी गर्व है. उन्हें सरकार द्वारा सम्मानित किया गया. लीजा की स्कूलिंग होली मिशन स्कूल से हुई है.

एनजीओ की फाउंडर व एमडी

लीजा ने सोशल वर्क की शुरुआत चाइल्ड राइट से की थी. 2007 से ही खगड़िया में चाइल्ड राइट्स पर काम करते हुए, उन्होंने वीमेन राइट्स पर भी काम किया. 2011 में उन्होंने चेत संस्थान से डॉक्यूमेंटरी मेकिंग, रेडियो जर्नलिज्म आदि की ट्रेनिंग ली और लगातार कार्य करती रही और बिहार को अकेले रिप्रेजेंट भी किया. लीजा कहती हैं कि काम के दौरान उन्हें एहसास हुआ कि निःशक्त व्यक्ति के लिए कोई काम नहीं करता है, कोई उनके अधिकारों के लिए नहीं लड़ता. चैरिटी से किसी डिसएबल की जिंदगी नहीं चल सकती है. ऐसे लोगों को खुद आगे बढ़ना होगा और खुद के लिए काम करना होगा. इस सोच के साथ मैंने एक एनजीओ खोला- इंडिया फाउंडेशन. यह एनजीओ अब नेशनल लेवल पर वर्क कर रही है. यह एनजीओ देश के 21 राज्यों में काम करता है. लीजा इस एनजीओ की फाउंडर और एमडी हैं. लीजा ने बताया कि वह डिसएबल फ्रेंडली समाज बनाने के लिए एक कैंपेन शुरू करना चाहती हैं ताकि ऐसे लोगों को कोई दिक्कत न हो.

अंक-2, फरवरी, 2017, पटना

दिव्यांग खेल-कूद

विकलांगों के विकास एवं अधिकारों के लिए समर्पित डॉ० शिवाजी कुमार को संयुक्त राष्ट्रसंघ, न्युयार्क द्वारा दिव्यांगों के लिए उच्च स्तरीय बैठक यु०एन०सी०आर०पी०डी० में भारत का प्रतिनिधत्व कर लौटने पर स्वागत समारोह

समर्पण एवं चाईल्ड कन्सर्न के संयुक्त तत्वाधन में 17 जुलाई 2016 को स्काडा बिजनेस सेन्टर, सोन भवन, पटना में संयुक्त राष्ट्रसंघ, न्युयार्क (अमेरिका) से पटना लौटने पर भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर श्री समीर कुमार महासेठ (वर्तमान विधायक, मधुबनी), डा० विश्वेन्द्र सिन्हा (एच.ओ.डी., पी.एम.सी.एच), आदि कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

इस अवसर पर डॉ० शिवाजी कुमार ने बताया कि यह मेरे लिए ऐतिहासिक समय रहा जिसमें विश्व के 161 देशों के प्रतिनिधि एवं राष्ट्राध्यक्षों ने 9th **Session of the conference of State Parties (COSP9)** तथा सी०आर०पी०डी० की आम महासभा 14 से 16 जून 2016 तक संयुक्त राष्ट्रसंघ आम सभा कक्ष, यु०एन० हेडक्वार्टर्स, न्युयार्क में शरीक हुये।

ज्ञात हो कि डा० शिवाजी कुमार बैठक में शरीक होने के लिए 11 जून को दिल्ली से न्युयार्क के लिए प्रस्थान किये और वहाँ भारतीय दल का नेतृत्व कर अपने थीम **No One Persons with Disability leave behind by 2030 in the world** पर भारत के विचार एवं इस क्षेत्र में संस्थाओं एवं सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयासों को विश्व पटल पर रखा, जिसे सबों ने सराहा। उनके प्रयासों द्वारा कई नई विषयों पर जिसमें विकलांगता एवं खेल, बालिका एवं महिला विकलांगता, विकलांगता एच०आई०भी० एवं एड्स, विकलांगता एवं प्राकृतिक विपदा एवं आपातकालीन अवस्थाएँ तथा तीव्र गति से विश्व में बढ़ती विकलांगता दर के संदर्भ की कार्यों पर परिचर्चा कर विकलांग विशेषज्ञो द्वारा यु०एन०सी०आर०पी०डी० कानून को पास कराया गया तथा संयुक्त राष्ट्र संघ के सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों की बैठक **(UN)** में मिलियन डेवलपमेंट गोल 2030 (कोई भी दिव्यांगजन ना पीछे रहे 2030 तक) में निःशक्तों के विकास पर 13 से 16 जून 2016 तक को पास किये गये मुद्दों को सम्मिलित किया गया।

विश्व के स्तर पर मानसिक निःशक्तता (ऑटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी, मानसिक विकलांग एवं बहु विकलांग) के शिक्षण प्रशिक्षण, व्यावसायिक प्रशिक्षण, पुनर्वास सहित मुख्यधारा में लाने की प्रक्रिया पर जोड़ देने की अपील की गयी।

संयुक्त राष्ट्र महासभा के बैठक के दौरान भारत के सचिव, श्री विनोद अग्रवाल (समाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री, भारत सरकार) ने डा० शिवाजी कुमार द्वारा भारतीय विचारधारा को जोड़दार तरीके से विश्व पटल पर रखने के योगदान को काफी सराहा और उन्हें यू०एन० (न्यूयार्क) में सम्मानित भी किये और यू०एन० में पास किये गये सभी एजेण्डों को भारत में भारत सरकार द्वारा जल्द ही लागू करने के सहमति जताई।

स्वागत समारोह की अध्यक्षता श्री समीर कुमार महासेठ (अध्यक्ष, चाईल्ड कन्सर्न एवं वर्तमान एम० एल० ए०, मधुबनी) के द्वारा किया गया। इस उपलब्धि के लिए डा० शिवाजी कुमार को बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गयी एवं निर्भिक तरीके से भारत के गौरवपूर्ण इतिहास को विश्व मंच पर रखने की शुभकामना दी। जिससे कि भारत का नाम भविष्य में विकलांगता के क्षेत्र में और ऊंचा करें। इस अवसर पर सभी विकलांग संस्थाओं के श्री विनोद भांति (बिहार विकलांग खेल अकादमी), श्री राजेश कुमार (स्पेशल ओलम्पिक भारत-बिहार), डा० सुभाष चन्द्रा (पैरालिम्पिक कमिटि ऑफ बिहार), श्री नीलम कुमार सिन्हा (बिहार डेफ स्पोर्टस एसोसिएशन), श्री संजय कुमार यादव (बिहार नेत्रहीन खेल संघ), मो० समीम आलम (बिहार एबीलिम्पिक सोसायटी), कुमार गौरव (बिहार विकलांग क्रिकेट संघ), श्री मोती लाल सिंह (बिहार विकलांग छात्रा संगठन), डॉ० राजीव गंगौल (पाटलिपुत्रा पैरेन्ट्स एसोसिएशन ऑफ मेंटली हैण्डीकैप्ड) सभी ने स्वागत भाषण में इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।

WORLD DISABILITY DAY

i next
Patna, 3 December, 2011
Pg 23

हम किसी से कम क्यों रहेंगे?

वे भले ही डिसएबल हैं, पर किसी भी मायने में आम इंसान से कम नहीं. वे वो हर काम कर सकते हैं, जो कोई भी कर सकता है. चाहे वह खेल का मैदान ही क्यों ना हो? शनिवार को डिसएबल डे है. इस मौके पर बताएंगे कुछ डिसएबल प्लेयर्स की कहानी. इन्होंने अपने दम पर नेशनल गेम में ढेरों मेडल जीते हैं. इंटरनेशनल लेवल पर भी अपनी जीत का परचम लहराया है. इसमें से कई तो सामान्य खिलाड़ियों के साथ भी खेलते हैं. इसमें भले ही इन्हें कोई मेडल नहीं मिला, पर सामान्य खिलाड़ी को जबर्दस्त टक्कर देते हैं. सुधीर कुमार की रिपोर्ट.

मुख्तार नेहा धीरज संदीप संतोष

कई खेलों में है जलवा

मुख्तार कुमार कई गेम खेलता है. साइक्लिंग, एथलेटिक्स और फ्लोर हॉकी उसका पसंदीदा गेम है. इसमें वह कई नेशनल व इंटरनेशनल मेडल भी जीत चुका है. स्पेशल ओलंपिक्स एथेंस के साइक्लिंग में उसने ब्रांज मेडल पर कब्जा जमाया था. नेशनल साइक्लिंग वह आठ गोल्ड मेडल जीत चुका है. एथलेटिक्स में धीरज ने चार गोल्ड व सिल्वर जीता है. फ्लोर हॉकी में भी वह गोल्ड मेडलिस्ट है. और अधिक मेडल जीतना चाहता है.

एथेंस में जीता सिल्वर

सबसे पहले बात करते हैं नेहा कुमारी गुप्ता की. नेहा डिसएबल्ड है. उसकी माँ या भाई इसे खेलने के लिए ग्राउंड में लाते हैं. नेहा बास्केट बॉल खेलती है, साथ ही एथलेटिक्स में भी पार्टिसिपेट करती है. बास्केट बॉल में नेहा इंडिया को रिप्रेजेंट कर चुकी है. स्पेशल ओलंपिक्स एथेंस में वह कंट्री को सिल्वर मेडल दिला चुकी है. नेहा 2006 से नेशनल गेम में हिस्सा ले रही है. 50 से 200 मीटर रेस में उसने 12-15 गोल्ड मेडल अपने नाम किए हैं.

अपने दम पर हुआ सेलेक्ट

धीरज कुमार फ्लोर हॉकी खेलता है. धीरज का सेलेक्शन विंटर स्पेशल ओलंपिक्स साउथ कोरिया 2013 के लिए हुआ है. इंडियन टीम में वह अपने दम पर सेलेक्ट हुआ है. नेशनल फ्लोर हॉकी में उसने आठ गोल्ड जीते हैं. इसी के आधार पर धीरज का सेलेक्शन किया गया. इसके अलावा वह साइक्लिंग में भी पार्टिसिपेट करता है. नेशनल साइक्लिंग में उसने एक गोल्ड और एक ब्रांज मेडल जीता है. भगवान ने मुझे सामान्य आदमी की तरह नहीं बनाया है.

संदीप का जवाब नहीं

संदीप कुमार एथलेटिक्स और जिम्नास्टिक्स में पार्टिसिपेट करते हैं. जिम्नास्टिक्स में संदीप सामान्य खिलाड़ियों के साथ ही खेलते हैं. नेशनल जिम्नास्टिक्स में इन्होंने चौथा स्थान प्राप्त किया था. संदीप मार्च अप्रैटस, पैरलल बार, रोमन रिंग्स, पामल हॉर्स, फ्लोर एक्सरसाइज में पार्टिसिपेट करते हैं. एथलेटिक्स में वह लॉन्ग जम्प में हिस्सा लेता है और 100 मीटर रेस में भी भाग लेता है. इन दोनों में इन्होंने नेशनल लेवल पर 50 से अधिक मेडल जीते हैं.

छोटे कद का कारनामा

संतोष कुमार सिंह का कद छोटा जरूर है, लेकिन उनके कारनामे बड़े हैं. औरंगाबाद मिडिल स्कूल में चतुर्थ टीचर संतोष खेल में भी आगे हैं. संतोष एथलेटिक्स के शॉट पुट में पार्टिसिपेट करते हैं. अपनी मेहनत और लगन के बल पर इन्होंने अबतक 24 से अधिक नेशनल मेडल जीते हैं. वे कहते हैं कि हमें अपने विकलांग होने से कोई शिकायत नहीं है. छोटा कद होने के बावजूद मैंने वह कर दिखाया है, जो सभी सामान्य लोग नहीं कर सकते.

स्पेशल ओलंपिक
समर्पण की उपलब्धि

चीन के शंघाई में विशेष ओलंपिक समर्पण, बिहार के चार मानसिक दिव्यांग खिलाड़ियों ने पदक जीता।

बिहार के तत्कालीन खेल मंत्री जनार्दन सिंह सिगरीवाल के साथ चीन में आयोजित स्पेशल ओलंपिक के पदक विजेता खिलाड़ी और समर्पण के तत्कालीन चेयरमैन डा0 शिवाजी कुमार।

विशेष चैंपियन

विशेष ओलंपिक की शुरुआत 1968 में संयुक्त राष्ट्र अमेरिका के शिकागो में सोल्जर फील्ड में हुई थी. शंघाई में हाल में हुए विशेष ओलंपिक में बिहार के प्रतियोगियों का सफरनामा इस प्रकार है:

गौतम, 23 वर्ष

ठीक से बोल नहीं पाता. 5'4'' लंबा यह लड़का हैंडबॉल हाथ में आते ही सब कुछ भूल जाता है.

उसकी आवाज हैंडबॉल के गोलपोस्ट में जाते ही सुनाई देती है.

विकलांगता: बौद्धिक तौर पर अविकसित

सुकांत, 20 वर्ष

शंघाई में रोलर स्केटिंग स्पर्धा में कांस्य पदक विजेता. पटना के एक बिल्डर के इस पुत्र को स्कॉर्पियो चलाना और क्रिकेट खेलना पसंद है.

विकलांगता: बौद्धिक तौर पर अविकसित.

सन्नी कुमार, 15 वर्ष

4'10'' लंबा यह लड़का विशेष भारतीय फुटबॉल

का फारवर्ड खिलाड़ी है. मैदान में उसकी तेजी और प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ियों को छकाने का निराला अंदाज. **विकलांगता:** बौद्धिक तौर पर अविकसित.

सुरभि सुमन, 19 वर्ष

पास देने और प्रतिद्वंद्वी को छकाने में महारत हासिल. गरम मिज़ाज. भारतीय बॉस्केटबॉल टीम की प्रमुख खिलाड़ी. ग्रुप मैच में पाकिस्तानी खिलाड़ी से भिड़ गई थीं. भारत यह मैच जीत गया.

विकलांगता: बौद्धिक तौर पर अविकसित.

ऑटिज्म डे पर ब्लू बैंड पहन कर दिया संदेश

ऑटिज्म के खिलाफ हम साथ-साथ हैं

THE TIMES OF INDIA

Moms-to-be can prevent autism in their kids

बधिर बच्चों की शुरुआ

बच्चों में बढ़ रहा है ऑटिज्म का खत

ऑटिज्म पीड़ित बच्चों ने

मुख्यधारा में शामिल होने

पटना को हम बनाएंगे ग्रीन-क्लीन

हमने बनाया आपके लिए

जन जागरूकता पर हुई कार्यशाला

पटना। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर एक दिवसीय मानसिक स्वास्थ्य जन-जागरूकता कार्यशाला का आयोजन कोऑपरेटिव कॉलोनी कंकड़बाग समर्पण की ओर से किया गया। पाटलिपुत्रा पैरेन्ट्स एसोसिएशन अध्यक्ष डॉ राजीव मंगील ने बताया कि विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस हर साल इसलिए मनाया जाता है ताकि विश्वभर

स्पेशल चाइल्ड ने फैशन शो में दिखाया अपना टैलेंट

FUN DAY

ये बच्चे रहे विजेता

न्यूज़ इनबॉक्स

छात्रों को बताया, समाजसेवा ही मुख्य लक्ष्य

कार्यालय

समर्पण, 103, शीला काम्पलेक्स, न्यू बहादुरपुर, बाजार समिति रोड, राजेन्द्र नगर पटना-800 016 फोन नं0- 0612 2682881
ईमेल- samarpanindia100@gmail.com, web:- www.samarpanbharat.org